हरिभूमि
सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, रविवार, 11 मई, 2025

11 विद्यार्थियों ने नृत्य से मां की भावनाओं को किया व्यक्त

12 कचरा उठाने का टेंडर खत्म 40% कालोनियों में बुरा हाल

खबर संक्षेप

हेरोइन सप्लाई करने के आरोपी को किया काबू

फतेहाबाद। नशा तस्करों के साथ सप्लायरों की धरपकड़ को लेकर एसपी द्वारा दिए निर्देशों पर कार्रवाई करते हुए रतिया पुलिस ने एक सप्लायरको गिरफ्तार किया है। पकड़े गए युवक की पहचान कृष्ण पुत्र सुखदयाल निवासी रत्ताखेड़ा के रूप में हुई है। थाना शहर रतिया प्रभारी एसआई रणजीत सिंह ने बताया कि इस बारे पुलिस ने 5 मई को एनडीपीएस एक्ट के तहत ममाला दर्ज किया था। पुलिस टीम एएसआई जतिन्द्र सिंह के नेतृत्व में अपराधियों की धरपकड़ को लेकर गश्त पर थी। इसी दौरान पुलिस ने कार्रवाई की।

नकदी चुराकर भाग रहा युवक गिरफ्तार

फतेहाबाद। टोहाना में डांगरा रोड स्थित बस स्टैण्ड के सामने एक चाय की दुकान से नकदी चोरी कर भाग रहे युवक को लोगों ने काबू कर लिया। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और युवक को हिरासत में ले लिया। पकड़े गए युवक की पहचान सचिन पुत्र भोजराज निवासी भूना रोड, टोहाना के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके पास से 500 रुपये की नकदी बरामद की है। थाना शहर टोहाना प्रभारी इंस्पैक्टर प्रहलाद सिंह ने बताया कि इस बारे पुलिस ने 9 मई को आजाद नगर टोहाना निवासी दीनानाथ की शिकायत पर केस दर्ज किया था।

फर्जी कागजात तैयार कर नपा की दुकान हड़पी

फतेहाबाद। जाखल में फर्जी कागजात तैयार करवाकर नगरपालिका की एक दुकान को हड़पने का मामला सामने आया है। इस मामले में जाखल पुलिस ने एक महिला सहित चार लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में जाखल मण्डी निवासी आकाश गर्ग ने कहा है कि उसके पिता के पास जाखल नगरपालिका की दुकान नं. 6 है। नगरपालिका ने 2007-08 में यह दुकान दी थी। वर्ष 2020 में उसे पता चला कि सुरेखा व उत्तम ने गलत दस्तावेज तैयार करवा सकते हैं। इस पर उसने अगस्त 2020 में नगरपालिका को हल्फिया बयान देकर दुकान को किसी अन्य के नाम ट्रांसफर न करने की बात कही थी।

सुरक्षा की दृष्टि से ड्रोन उड़ाने पर पूर्ण पाबंदी

सिरसा। सिरसा में धारा 163 के तहत ड्रोन उड़ाने पर पूर्ण रुप से पाबंदी लगाई गई है। पुलिस व जिला प्रशासन ने सभी जिलावासियों से अपील की है कि अगर वे किसी संदिग्ध ड्रोन या वस्तु को उड़ते हुए देखते हैं, या किसी व्यक्ति को इन्हें उड़ाते हुए देखते हैं, तो वे तुरंत हेल्पलाइन नंबर 112 पर सूचना दें। पुलिस अधीक्षक डॉ. मयंक गुप्ता ने नागरिकों को आश्वस्त करते हुए कहा कि घबराने की जरूरत नहीं है।

शहर के लोगों में दिनभर रहा चर्चा का माहौल

सिरसा में गिरे मिसाइल के टुकड़ें धमाके से लोगों में अफरा तफरी

सूचना के बाद पुलिस व वायु सेना के अधिकारी मौके पर पहुंचे और उपकरण को अपने साथ वायु सेना केंद्र ले गए

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

पाकिस्तान द्वारा सिरसा के वायु सेना केंद्र को निशाने पर लेकर मिसाइल दागी गई। जिसे भारतीय वायु सेना ने सफलता पूर्वक निष्क्रय कर दिया। शहर के लोगों में दिनभर चर्चा का माहौल गर्म रहा। घटनास्थल के आसपास के क्षेत्र में रहने वाले लोगों का कहना है कि मिसाइल गिरने के बाद अचानक बहुत तेज धमाका हुआ और आसमान में तेज रोशनी दिखाई दी। ऐसा लगा कि जैसे आसमान में कोई चीज एकदम से जल गई हो। धमाके की गूंज के बाद लोग सकते में आ गए और ब्लैकआउट के दौरान अपने घरों की छतों पर सोये हुए लोग अफरा तफरी में नीचे की ओर भाग गए। खाजाखेड़ा व सरस्वती कॉलोनी के बीच खाली खेतों में गिरे मिसाइल के टुकड़े के बारे में नजदीक ही रहने वाले अर्जुन दास ने बताया कि करीब 12:15 बजे तेज गड़गड़ाहट के साथ जोरदार धमाका हुआ। उन्होंने बताया कि बच्चों के साथ वे अपने घर की छत पर सोये हुए थे। उसके बाद नीचे चले गए। सुबह छह बजे पता चला कि रात को जो धमाका हुआ था वह पाकिस्तान द्वारा दागी गई मिसाइल का था जिसका टुकड़ा घर से थोड़ी ही दूर पर खेत में पड़ा मिला।

सिरसा। धमाके के बार में चर्चा करते स्थानीय लोग तथा धमाके की जानकारी देते अर्जुन दास। *फोटो : हरिभूमि*

खेत में हरा चारा काटने आया तो देखा मिसाइल का टुकड़ा

प्रदीप रातुसरिया के खेतों में काम करने वाला ओमप्रकाश सुबह छह बजे जब खेत में हरा चारा काटने गया तो खेत में एक लोहे का विशाल टुकड़ा पड़ा देखा। ओमप्रकाश ने तुरंत फैक्टरी पहुंचकर इस बारे में संचालक अरविंद को बताया तो बाद में पुलिस को इस बारे में सूचना दी गई। सूचना के बाद पुलिस व वायु सेना के अधिकारी मौके पर पहुंचे और उस उपकरण को अपने साथ वायु सेना केंद्र ले गए।

धमाका होते ही छत पर सो रहे कारीगर भागे नीचे

घटनास्थल से थोड़ी दूरी पर एक सिलाई फैक्टरी में काम करने वाले चार कारीगर छत पर सो रहे थे। कारीगर मोहम्मद यामी ने बताया कि उसने मुंह से कंबल हटाया ही था कि एक जोरदार धमाका हुआ और तेज रोशनी देखी। इसके बाद वह साथ सो रहे दूसरे साथियों को उठाकर नीचे भाग गया और राहत की सांस ली।

पत्नी पर किए कुल्हाड़ी से वार, हालत गंभीर

पत्नी के सिंगापुर जाने से नाराज था पति

- आरोपी मौके पर ही कुल्हाड़ी फेंककर हुआ फरार, जांच जारी

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

जिले के जाखल क्षेत्र के गांव कुदनी में पत्नी के विदेश जाने से नाराज पति ने एक दिन पहले ही अपनी पत्नी पर कुल्हाड़ी से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। हमले में गंभीर रूप से घायल महिला को अग्रोहा मेडिकल कॉलेज में भर्ती करवाया गया जहां वह जिंदगी और मौत के बीच जूझ रही है और उसे वेंटिलेटर पर रखा गया है। इस मामले में पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार जाखल थाना क्षेत्र के गांव कुदनी निवासी कमल चंद की 18 साल पहले हिसार जिले के गांव ढंढूर निवासी कविता के साथ शादी हुई थी। दोनों के एक बेटा व एक बेटी है। कमल चंद अनाज मंडी में पल्लेदारी करता है जबकि उसकी पत्नी कविता दो साल सिंगापुर रहकर आई है। कविता ने शुक्रवार को ही वापस सिंगापुर जाना था, मगर उससे पहली रात को दोनों के बीच विदेश न जाने को लेकर विवाद हुआ। इसी में तैश में आकर कमल ने कविता पर कुल्हाड़ी से वार कर दिए। मौके पर ही कुल्हाड़ी फेंककर फरार हो गया। बेटे-बेटी ने शोर मचाकर अपने दादा को बुलाया। इसके बाद महिला को पहले टोहाना सिविल अस्पताल लेकर गए। वहां से अग्रोहा मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। कविता वीरवार को अपने मायके ढंढूर से विदेशी करंसी भी लेकर आई। साथ ही शॉपिंग भी की थी। इसके बाद पति के साथ ही वापस कुदनी आई थी। रात को जल्दी सो गई थी ताकि सुबह जल्दी निकला जा सके। मगर इससे पहले ही यह वारदात हो गई।

घायल महिला का फाइल फोटो।

सिंगापुर में जज की कोठी पर करती थी काम, अगस्त 2024 में वापस आई थी

घायल महिला कविता के राजेंद्र कुमार ने बताया कि उसकी बहन साल 2022 में सिंगापुर गई थी। वह वहां जज की कोठी में बेबी केयर का काम करती थी। उनके जानकार के जरिए उसका वर्क वीजा लगा था। अगस्त 2024 में वह वापस लौट आई थी। अभी शुक्रवार को उसकी फिर से सिंगापुर की टिकट थी। राजेंद्र ने बताया कि वह खुद भी पहले सिंगापुर व बाद में मलेशिया दो साल काम करके आया है। राजेंद्र ने बताया कि उसके जीजा कमल ने 5 दिन पहले भी उसकी बहन के साथ मारपीट की थी। इस पर उसने पुलिस को फोन किया था। पुलिसकर्मी उसके जीजा कमल को थाने भी लेकर गए, मगर शाम को उसका ससुर नारायण चंद समझौता करवा कर घर ले आया। राजेंद्र ने बताया कि कविता ने परिवार के लिए ही विदेश में नौकरी की। रुपए जोड़कर कुछ दिन पहले ही टोहाना में 12 लाख रुपए का प्लॉट लिया। अगस्त 2024 में सिंगापुर से आने के बाद मकान बनाया। उन्हें बिल्कुल भी आभास नहीं था कि उनका जीजा उनकी बहन पर इस तरह जानलेवा हमला करेगा। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

फतेहाबाद। जैक के साथ सर्च अभियान चलाते पुलिस कर्मचारी। *फोटो : हरिभूमि*

खोजी कुत्ते 'जैक' ने सर्च अभियान के दौरान पकड़ा छिपाकर रखा लाहन

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

- एसपी के नेतृत्व चलाया जा रहा नशा मुक्त अभियान

एसपी द्वारा नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में पुलिस टीम स्नीफर डॉग का भी सहारा ले रही है। आज थाना सदर रतिया क्षेत्र में पुलिस द्वारा एक सर्च अभियान चलाया गया, जिसमें डॉग स्क्वायड टीम के डॉग जैक ने शराब तस्कर को पकड़वाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जैक ने गांव खुनन स्थित मुख्तार सिंह की ढाणी से भारी मात्रा में लाहन बरामद करवाया। थाना सदर रतिया के प्रभारी एसआई राजबीर ने बताया कि पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन के नेतृत्व में क्षेत्र में नशा मुक्त अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में आज पुलिस टीम ने डॉग स्क्वायड के साथ मिलकर विभिन्न स्थानों पर सर्च अभियान चलाया। सर्च के दौरान डॉग स्क्वायड के कुत्ते जैक ने गांव खुनन में मुख्तार सिंह की ढाणी में छुपाकर रखे गए 170 लीटर लाहन का पता लगाया, जिसे टीम ने बरामद कर लिया।

सिरसा। हैरोइन के साथ पकड़े गए आरोपी पुलिस की गिरफ्त में।

दो युवक 30.46 ग्राम हेरोइन सहित काबू

सिरसा। हरियाणा एनसीबी की सिरसा यूनिट ने गश्त के दौरान रानियां थाना क्षेत्र के गांव ढाणी सतनाम सिंह क्षेत्र से दो युवकों को 30.46 ग्राम हेरोइन सहित काबू किया है। हरियाणा एनसीबी सिरसा यूनिट के इंचार्ज उप निरीक्षक तरसेम सिंह ने बताया कि सहायक उप निरिक्षक सुखदेव सिंह अपनी टीम के साथ थाना रानियां क्षेत्र में मौजूद थे। इस दौरान गुप्त सूचना मिली कि दो नशा तस्कर बाइक पर अवैध नशीले पदार्थ लेकर रानियां की ओर आ रहे है। इस सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने कुताबढ-रानियां रोड पर स्थित गांव ढाणी सतनाम सिंह के पास नाका लगाकर आरोपियों को बाइक सहित काबू किया। आरोपियों की पहचान सतनाम सिंह पुत्र भजन सिंह निवासी गांव ढाणी सतनाम सिंह के रूप में हुई।

अपराधियों पर नकेल कसने का रहा मुख्य उद्देश्य

जिलेभर में पुलिस ने की पैदल पेट्रोलिंग

- नशे जैसी सामाजिक बुराइयों के खिलाफ भी लोगों को किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

जिले के सभी थानों व चौकियों ने अपने एरिया में अपराध व अपराधियों पर नकेल कसने व सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पुलिस टीम के साथ अपने अपने क्षेत्र में की पैदल गस्त/ पेट्रोलिंग की। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि पुलिस टीम द्वारा की गई पैदल गस्त/ पैट्रोलिंग का एक उद्देश्य पुलिस की मौजूदगी दिखाना व आपराधिक तत्वों में पुलिस का अपनी ड्यूटी पर मुस्तैद रहना प्रदर्शित करता है। यह पैदल गस्त आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों के बीच पुलिस का दबदबा व आम लोगों को सुरक्षा का एहसास दिलाती है। एसपी ने बताया कि भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर पैदल गश्त कर अपराधियों के मन भय का माहौल पैदा करना और उनको सलाखों के पीछे भेजना है। इस अभियान का उद्देश्य आमजन में पुलिस की मौजूदगी दर्ज कराना है, ताकि आमजन अपने आपको सुरक्षित महसूस करें। इस दौरान पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लिया और जिले के सभी चौक-चौराहों, सार्वजनिक स्थानों पर पुलिस टीम मुस्तैद नजर आई। पुलिस का काम केवल अपराधों पर रोक लगाना नहीं बल्कि जनता के साथ मधुर संबंध रखते हुए उन्हें नशे जैसी सामाजिक बुराइयों के खिलाफ जागरूक करना भी है।

फतेहाबाद। शहर में पैदल गशत करते पुलिस कर्मचारी। *फोटो : हरिभूमि*

सभी प्रभावियों ने की गश्त

इस अभियान के तहत सभी थाना एवं चौकी प्रभारी अपने-अपने क्षेत्र में प्रभावी रूप से पैदल गश्त की। इस अभियान में सभी थाना/चौकी में मौजूद ज्यादा से ज्यादा पुलिस बल पैदल गस्त पर रहे।

तुरंत मिल सकता है 20 हजार रुपये का लोन, पे-स्लिप भी जरूरी नहीं

सुझाव | बिजनेस डेस्क

कभी-कभी जिंदगी में अचानक पैसों की जरूरत पड़ जाती है। कोई मेडिकल इमरजेंसी, घर में कोई परेशानी या जरूरी खर्च, लेकिन अगर आपकी कोई सैलरी नहीं है, तो लोन मिलना मुश्किल लग सकता है। ऐसे में आदमी परेशान हो जाता है। हालांकि ऐसी स्थिति में भी आपको घबराना नहीं चाहिए, बल्कि सूझबूझ से काम लेना चाहिए। अच्छी बात यह है कि आज कई डिजिटल लेंडिंग प्लेटफॉर्म ऐसे लोगों को भी लोन दे रहे हैं, जिनके पास सैलरी स्लिप नहीं है। यानी अगर आप पारंपरिक नौकरीपेशा नहीं हैं, तब भी 20,000 रुपये तक का लोन बड़ी आसानी से आपको मिल सकता है। इस रिपोर्ट के जरिये हम आपको बताएंगे कि आप कैसे बिना सेलरी स्लिप के भी बड़े आराम से 20000 रुपये तक का लोन लेकर अपने खर्च को चला सकते हैं। इसके लिए आपको ज्यादा परेशान होनी की भी जरूरत नहीं है। सिर्फ आपको अपना क्रेडिट स्को मेंटेन करना है। लोन के लिए क्रेडिट स्कोर 300 से 900 के बीच होना जरूरी है। यह आपके लोन चुकाने की क्षमता को दर्शाता है।

लोन लेने से पहले ध्यान दें

क्रेडिट स्कोर

लोन के लिए क्रेडिट स्कोर बहुत जरूरी होता है। यह 300 से 900 के बीच का एक नंबर होता है, जो आपकी लोन चुकाने की क्षमता बताता है। अगर आपका स्कोर 750 से ऊपर है, तो बिना सैलरी स्लिप के भी लोन मिलने की संभावना बढ़ जाती है।

इनकम प्रूफ

अगर आप खुद का बिजनेस करते हैं या फ्रीलांसर हैं, तो इनकम टैक्स रिटर्न (आईटीआर), बैंक स्टेटमेंट या इनकम सर्टिफिकेट से अपनी आमदनी दिखा सकते हैं।

गारंटर या गिरवी

अगर आपके पास सैलरी नहीं है, तो कुछ बैंक या लेंडर गारंटर या कोई संपत्ति गिरवी रखने पर लोन दे सकते हैं। गारंटर की स्थायी इनकम आपके लोन अप्रूवल में मदद कर सकती है।

सिक्योर्ड लोन विकल्प

अगर आप कोई गहना या अन्य संपत्ति गिरवी रखते हैं, तो सिक्योर्ड लोन लेना आसान हो सकता है। इससे लेंडर को भरोसा होता है कि लोन वापस मिलेगा।

पुराने लेंडर से संबंध

अगर आपने पहले किसी लेंडर से लोन लिया है और समय पर चुकाया है, तो वह आपको दोबारा आसानी से लोन दे सकता है – भले ही सैलरी स्लिप न हो।

को-अप्लिकेंट के साथ लोन लें

अगर आप किसी ऐसे व्यक्ति के साथ लोन अप्लाई करते हैं जिसकी क्रेडिट हिस्ट्री अच्छी हो, तो लोन मिलने के चांस बढ़ जाते हैं।

जरूरी डॉक्युमेंट्स

■ **केवाईसी डॉक्युमेंट्स** : आधार कार्ड, पैन कार्ड, पासपोर्ट आदि ■ **पते का प्रमाण** : बिजली बिल, रेंट एग्रीमेंट, राशन कार्ड ■ **वैकल्पिक इनकम प्रूफ** : बैंक स्टेटमेंट, आईटीआर, या बिजनेस से जुड़ा कोई दस्तावेज ■ लोन अप्लाई करने का प्रोसेस ■ सभी डॉक्युमेंट्स तैयार रखें ■ केवाईसी पते का प्रमाण और इनकम प्रूफ साथ रखें ताकि प्रोसेस जल्दी हो सके।

एलिजिबिलिटी चेक करें

लोन अप्लाई करने से पहले बैंक या ऐप पर अपनी योग्यता चेक करें। इससे समय और मेहनत दोनों की बचत होगी और लोन मिलने में आसानी भी होगी।

लोन अमाउंट और अवधि तय करें

ईएमआई कैलकुलेटर का इस्तेमाल करके देखें कि 20,000 रुपये का लोन कितनी ईएमआई में चुकाया जा सकता है। इससे आपकी योजना मजबूत बनेगी।

क्या कहते हैं जानकार

बैंकिंग विशेषज्ञों का कहना है कि अगर किसी को इमरजेंसी में पैसों की जरूरत है, तो बैंक से मदद ली जा सकती है। उनका कहना है कि बैंक तात्कालिक जरूरतों के लिए टेम्परारी ओवरड्राफ्ट की सुविधा देते हैं। इसके अलावा, ग्राहक पर्सनल लोन भी ले सकते हैं।" पर्सनल लोन पर ब्याज दर 10% से 24% सालाना तक हो सकती है, जो हर बैंक में अलग-अलग होती है। इसकी अवधि आमतौर पर 1 साल से 3 साल तक हो सकती है।

चांदी का वॉल्यूम 313 करोड़ रुपये पर पहुंचा, इस गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ की मांग जबरदस्त बढ़ी

लगातार चमक रही चांदी, इसके आगे सोना फेल, सिल्वर ईटीएफ में 3.3 गुना तेजी आई

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

- ईटीएफ एक आकर्षक निवेश का विकल्प बन रहे
- बेहतर लिक्विडिटी के कारण ट्रेडिंग में रुकावट नहीं आती
- निवेशक भी इसमें बढ़चढ़कर दिलचस्पी दिखा रहे

फिजिकल गोल्ड में निवेश करने वालों की संख्या भी लगातार बढ़ रही है, और इसके साथ ही यह जागरूकता भी बढ़ रही है कि खरीदे गए सोने की शुद्धता की जांच जरूरी है। लोग अब जांच परख के बाद ही सोना खरीद रहे हैं।

इस साल चांदी की चमक लगातार बढ़ती जा रही है। चांदी की रफ्तार के आगे सोना भी फेल हो गया। हालांकि सोने ने भी इस अपना सर्वकालिक उच्च सतर हासिल किया है, लेकिन देखा जाए तो चांदी सोने से काफी आगे निकली है। इस साल सिल्वर ईटीएफ में 3.3 गुण तक की तेजी देखने को मिली है। गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ की मांग में जबरदस्त बढ़ोतरी देखी गई। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) द्वारा जारी किए गए डेटा के मुताबिक, पूरे इंडस्ट्री का कुल वॉल्यूम लगभग 2.9 गुना बढ़कर 644 करोड़ रुपये पहुंच गया, जबकि पिछले साल यह 224 करोड़ रुपये पर था। इस तेज बढ़त से यह साफ है कि त्योहारों के मौके पर एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड्स (ईटीएफ) एक आकर्षक निवेश विकल्प के रूप में तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। स्थानीय निवेशक भी इसमें बढ़चढ़कर दिलचस्पी दिखा रहे हैं। ऐसे में सिल्वर ईटीएफ निवेश का सबसे बढ़िया विकल्प बनकर उभर रहे हैं।

गोल्ड ईटीएफ में बीते एक साल में जबरदस्त तेजी देखने को मिली। 30 अप्रैल 2025 तक इनका ट्रेडिंग वॉल्यूम 130 करोड़ से 2.5 गुना बढ़कर 331 करोड़ हो गया। हालांकि, सिल्वर ईटीएफ की बात करें तो इसने भी शानदार प्रदर्शन किया। इसका वॉल्यूम 95 करोड़ से 3.3 गुना की जबरदस्त ग्रोथ लेकर 313 करोड़ पहुंच गया। ट्रेडिंग वॉल्यूम के लिहाज से सिल्वर ईटीएफ इस साल का सबसे तेज ग्रोथ देने वाला सेगमेंट बन गया। इसने इस मामले में सोने को भी पीछे छोड़ दिया।

ईटीएफ में तेजी की वजह

सुविधा

ट्रेडिंग वॉल्यूम में आई इस तेज बढ़ोतरी के पीछे कई अहम कारण हैं। जैसे निवेशकों को सोने या चांदी में निवेश करने के लिए अब उसकी शुद्धता या सुरक्षित स्टोरेज की चिंता नहीं करनी पड़ती। ईटीएफ को शेयर की तरह ही डिमैट अकाउंट के जरिए खरीदा-बेचा जा सकता है। इससे किसी प्रकार की परेशानी नहीं होती और इसे खरीदना और बेचना बेहद आसान है। इसमें एसआईपी की तरह ही निवेश किया जा सकता है।

लागत में बचत

फिजिकल गोल्ड खरीदने पर मेकिंग चार्ज, स्टोरेज खर्च और शुद्धता का जोखिम जुड़ा होता है। इसके मुकाबले ईटीएफ में लेनदेन की लागत कम होती है और बेहतर लिक्विडिटी के कारण ट्रेडिंग में रुकावट नहीं आती। इसलिए यह निवेश का एक बेहतरीन विकल्प बनकर सामने आ रहा है और निवेशकों को मालामाल कर रहा। इसलिए इस सेगमेंट में निवेशकों का भरोसा लगातार बढ़ता जा रहा है।

निवेशकों की रुचि

पारंपरिक रूप से अक्षय तृतीया पर फिजिकल गोल्ड की बिक्री में तेजी देखने को मिलती है। अब यही रुझान एक्सचेंज पर भी नजर आ रहा है। इंडस्ट्री लेवल पर गोल्ड ईटीएफ का टर्नओवर सालाना आधार पर 2.5 गुना बढ़ा है, जबकि सिल्वर ईटीएफ का टर्नओवर 3.3 गुना बढ़ा है। सिल्वर की तेज बढ़त यह संकेत देती है कि निवेशक अब सिर्फ गोल्ड तक सीमित नहीं हैं और पोर्टफोलियो में डायवर्सिफिकेशन की ओर बढ़ रहे हैं। उदाहरण के लिए बता दें कि वित्त वर्ष 2025 में गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ का औसत डेली वॉल्यूम, कुल ईटीएफ टर्नओवर का लगभग 60% था। यह दर्शाता है कि इन प्रोडक्ट्स की पकड़ भारतीय बाजार में लगातार मजबूत हो रही है।

लोअर इम्पैक्ट कॉस्ट्स भी ईटीएफ को बना रहे आकर्षक

अक्षय तृतीया के दिन इंडस्ट्री-वाइड आंकड़ों के मुताबिक, गोल्ड ईटीएफ में औसत इम्पैक्ट कॉस्ट 20 बेसिस पॉइंट (बीपीएस) रही। हालांकि, कुछ प्रमुख ईटीएफ में यह लागत सिर्फ 2 बीपीएस तक ही रही। सिल्वर ईटीएफ में औसतन इम्पैक्ट कॉस्ट 32 **bps** रही, लेकिन सबसे ज्यादा लिक्विड ईटीएफ में यह घटकर लगभग 3 बीपीएस तक आ गई। हाई लिक्विडिटी से ईटीएफ अपने अंडरलाइन एसेट प्राइस को बेहतर तरीके से ट्रैक करते हैं, जिससे निवेशकों को ज्यादा सटीक एक्सपोजर मिलता है।

क्या पोर्टपोलियो में गोल्ड-सिल्वर ईटीएफ शामिल करना चाहिए

हालांकि गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ की लोकप्रियता तेजी से बढ़ रही है, लेकिन इनकी भूमिका पोर्टफोलियो में एकदम खास होती है। वैल्यू रिसर्च इसे विस्तार से समझाता है।

■ डाइवर्सिफायर (विविधता लाने वाले एसेट): ऐतिहासिक रूप से गोल्ड और सिल्वर का इक्विटी मार्केट से कम संबंध होता है। इस वजह से ये पोर्टफोलियो में जोखिम को कम करने में मददगार साबित होते हैं।

■ बेशकीमती धातु (प्रेशियस मेटल्स): आमतौर पर महंगाई बढ़ने या भू-राजनीतिक तनाव के समय बेहतर प्रदर्शन करते हैं। हालांकि, ये एसेट ग्रोथ देने वाले प्रमुख निवेश विकल्प नहीं माने जाते।

■ लॉन्ग टर्म में इक्विटी ने गोल्ड और सिल्वर दोनों से बेहतर रिटर्न दिया है। उदाहरण के तौर पर, पिछले एक दशक में गोल्ड ने औसतन 7-8% सालाना रिटर्न दिया है, जबकि इक्विटी मार्केट ने करीब 12-14% सालाना रिटर्न दिया है।

■ सिल्वर की बात करें तो उसमें थोड़ा अलग ट्रेंड देखा जाता है, क्योंकि यह आंशिक रूप से एक इंडस्ट्रियल मेटल भी है। इसलिए इसकी कीमतें मैन्युफैक्चरिंग डिमांड और निवेशकों की धारणा दोनों से प्रभावित होती हैं। यही वजह है कि सिल्वर ईटीएफ थोड़े ज्यादा वोलाटाइल हो सकते हैं, लेकिन जो निवेशक जोखिम समझते हैं उनके लिए यह एक दिलचस्प डाइवर्सिफायर बन सकता है।

समझदारी और प्यार से भरा गिफ्ट देना चाहते हैं, तो एक बार जरूर विचार करें

पीपीएफ से लेकर हेल्थ इंश्योरेंस तक मां को दे सकते हैं कुछ खास तोहफे

जानकारी | बिजनेस डेस्क

इस बार मदर्स डे पर आप अपनी मां के लिए कुछ खास प्लान कर सकते हैं। कुछ अलग, कुछ ऐसा दे सकते हैं जो उन्हें न सिर्फ खुशी देगा, बल्कि उनका भविष्य भी सुरक्षित करेगा। इसलिए आप भी इस बार मदर्स डे को खास बनाना चाहते हैं और समझदारी और प्यार से भरा गिफ्ट देना चाहते हैं, तो एक बार जरूर विचार करें। पीपीएफ से लेकर हेल्थ इंश्योरेंस तक मां के लिए कुछ खास गिफ्ट हो सकते हैं, जिन्हें आप अपनी मां को भेंट कर सकते हैं।

मदर्स डे यानी मां के नाम एक खास दिन। इस बार 11 मई, रविवार को हम सब अपनी मां के लिए कुछ खास करने की तैयारी में हैं। ये दिन हर उस मां के लिए समर्पित होता है जो अपने बच्चों की तरक्की के लिए बिना थके, बिना किसी उम्मीद के लगातार योगदान देती हैं। इस दिन बच्चे अपनी मां को खुश करने के लिए उन्हें सरप्राइज गिफ्ट देते हैं, बाहर खाना खिलाने ले जाते हैं या फिर घर पर खुद खाना बनाते हैं। लेकिन इस बार आप मां को कुछ अलग, कुछ ऐसा दे सकते हैं जो उन्हें न सिर्फ खुशी देगा बल्कि उनका भविष्य भी सुरक्षित करेगा। इसलिए आप भी इस बार मदर्स डे को खास बनाना चाहते हैं और समझदारी और प्यार से भरा गिफ्ट देना चाहते हैं, तो एक बार जरूर विचार करें। पीपीएफ से लेकर हेल्थ इंश्योरेंस तक मां के लिए कुछ खास गिफ्ट हो सकते हैं, जिन्हें आप मदर्स डे पर अपनी मां को भेंट कर सकते हैं। अगर आप इस बार एक समझदारी भरा और प्यार से भरा गिफ्ट देना चाहते हैं, तो फाइनेंशियल गिफ्ट्स पर जरूर सोचें। ये गिफ्ट्स मां को टैक्स बचाने, बेहतर रिटर्न पाने और हेल्थ कवर जैसे फायदे भी दे सकते हैं।

1. पीपीएफ (पब्लिक प्रॉविडेंट फंड)

पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ) एक सुरक्षित और टैक्स बचत वाली स्कीम है, जिसमें हर वित्त वर्ष में कम से कम 500 रुपये और अधिकतम 1,50,000 रुपये तक निवेश किया जा सकता है। इसमें खाता खुलने के तीसरे साल से छठे साल तक लोन की सुविधा मिलती है, जबकि सातवें साल से हर साल आंशिक निकासी की अनुमति भी होती है। ऐसे में यह खाता 15 साल में मैच्योर होता है, लेकिन इसे 5-5 साल के ब्लॉक में जितनी बार चाहें बढ़ाया जा सकता है। परिपक्वता के बाद बिना नया निवेश किए भी खाता चालू रखा जा सकता है और ब्याज मिलता रहेगा। खाते में जमा राशि पर आयकर की धारा 80-सी के तहत टैक्स छूट मिलती है और ब्याज पूरी तरह टैक्स फ्री होता है (धारा 10)। साथ ही, इस खाते की राशि कोर्ट के किसी आदेश से जब्त नहीं की जा सकती।

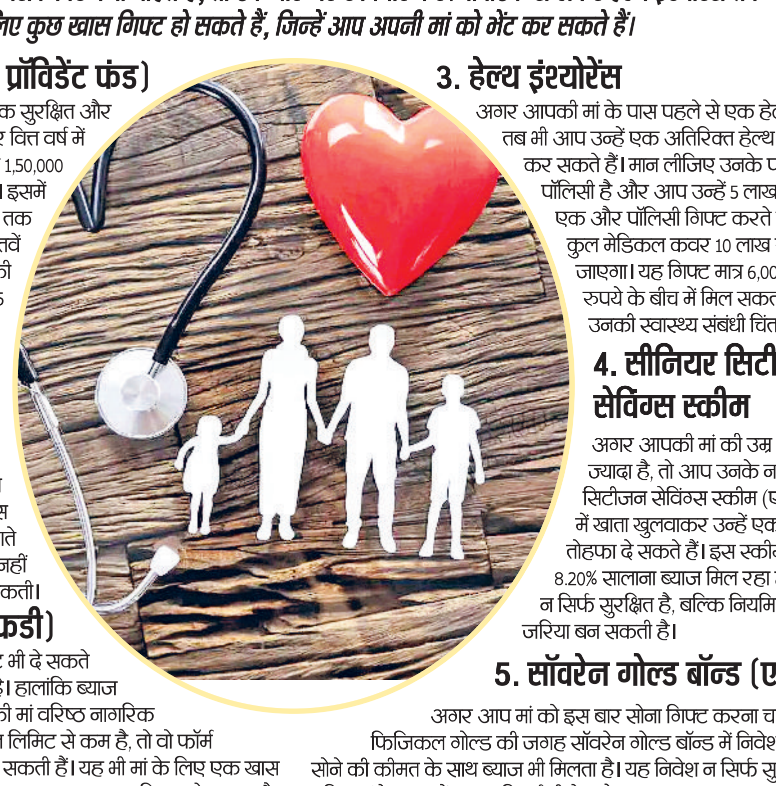

2. फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी)

मां को आप फिक्स्ड डिपॉजिट का गिफ्ट भी दे सकते हैं। इसमें सालाना 6-7% ब्याज मिलता है। हालांकि ब्याज पर टैक्स लगता है, लेकिन अगर आपकी मां वरिष्ठ नागरिक हैं और उनकी आय टैक्सेबल लिमिट से कम है, तो वो फॉर्म 15जी/15एच भरकर टीडीएस से छूट ले सकती हैं। यह भी मां के लिए एक खास गिफ्ट हो सकता है।

3. हेल्थ इंश्योरेंस

अगर आपकी मां के पास पहले से एक हेल्थ पॉलिसी है, तब भी आप उन्हें एक अतिरिक्त हेल्थ कवर गिफ्ट कर सकते हैं। मान लीजिए उनके पास 5 लाख की पॉलिसी है और आप उन्हें 5 लाख रुपये की एक और पॉलिसी गिफ्ट करते हैं, तो उनका कुल मेडिकल कवर 10 लाख रुपये हो जाएगा। यह गिफ्ट मात्र 6,000 से 10,000 रुपये के बीच में मिल सकता है। इससे उनकी स्वास्थ्य संबंधी चिंता खत्म होगी।

4. सीनियर सिटीजन सेविंग्स स्कीम

अगर आपकी मां की उम्र 60 साल से ज्यादा है, तो आप उनके नाम से सीनियर सिटीजन सेविंग्स स्कीम (एससीएसएस) में खाता खुलवाकर उन्हें एक शानदार तोहफा दे सकते हैं। इस स्कीम में अभी 8.20% सालाना ब्याज मिल रहा है। यह योजना न सिर्फ सुरक्षित है, बल्कि नियमित आय का भी जरिया बन सकती है।

5. सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड (एसजीबी)

अगर आप मां को इस बार सोना गिफ्ट करना चाहते हैं, तो फिजिकल गोल्ड की जगह सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड में निवेश करें। इसमें सोने की कीमत के साथ ब्याज भी मिलता है। यह निवेश न सिर्फ सुरक्षित है, बल्कि लंबे समय में अच्छा रिटर्न भी देता है।

घर की रजिस्ट्री में पत्नी का भी नाम डालें, 3 लाख तक की बचत होगी

बिजनेस डेस्क

अगर आप भी रियल एस्टेट में निवेश कर टैक्स बचाना चाहते हैं तो आप मकान की रजिस्ट्री में पत्नी का नाम भी डालें। इससे आप तीन लाख रुपये तक का टैक्स बचा सकते हैं। अक्सर कहा भी जाता है कि रियल एस्टेट निवेश के सबसे अच्छे विकल्पों में से एक है। बढ़ती आबादी और तेज शहरीकरण के चलते हाउसिंग सेक्टर कुछ साल से अच्छी ग्रोथ भी देख रहा है। इस सेक्टर में निवेश को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने 2016 में रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी (रेरा) स्थापित की थी। इसका उद्देश्य रियल एस्टेट में पारदर्शिता लाना, जवाबदेही तय करना, दक्षता बढ़ाना और घर खरीदारों के हितों की सुरक्षा करना है। इससे निवेशकों के बीच रियल एस्टेट को लेकर भरोसा बढ़ा है। इस सेक्टर में निवेश करके आप खुद के घर का सपना भी पूरा कर सकते हैं। इसके साथ ही न सिर्फ अच्छा रिटर्न कमा सकते हैं, बल्कि आयकर अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत टैक्स बेनिफिट्स भी ले सकते है। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे ऐसे ही कुछ तरीके, जिससे आप निवेश के साथ टैक्स भी बचा पाएंगे और अपने घर के साथ -साथ अच्छा मुनाफा व बचत भी कर पाएंगे। ये टिप्स आपके लिए बेहद जरूरी हो सकते हैं।

स्टाम्प ड्यूटी की छूट

घर की कीमत पर स्टाम्प ड्यूटी लगती है। धारा 80सी के तहत इस पर आप 1.50 लाख रुपये तक छूट ले सकते हैं। यदि ड्यूटी इससे ज्यादा हो, तो दो या ज्यादा लोगों के नाम पर रजिस्ट्री कराने पर सभी को समान छूट मिलेगी। यानी पत्नी के साथ मिलकर इस छूट को 3 लाख रुपये तक पहुंचा सकते हैं। इसलिए मकान खरीदने के दौरान रजिस्ट्री में आप अपनी पत्नी का नाम जोड़ सकते हैं।

ब्याज पर कटौती

यदि आप मकान खरीदने के लिए लोन लेते हैं तो ऐसी स्थिति में चुकाए गए ब्याज पर इनकम टैक्स अधिनियम की धारा 24 के तहत कुल आय में 2 लाख रुपये तक कटौती का लाभ ले सकते हैं। मूलधन पर भी धारा 80सी के तहत 1.50 लाख तक छूट पा सकते हैं।

एक घर बेचा, दूसरा मकान खरीदने पर छूट

यदि आप एक रेसीडेंशियल प्रॉपर्टी बेचकर दूसरा मकान खरीदना चाहते हैं, तो धारा 54 आपकी मदद करेगी। इसके तहत पुरानी प्रॉपर्टी बेचने से जितना भी प्रॉफिट हुआ, यदि उस पूरी रकम से आप कोई नई प्रॉपर्टी खरीदते हैं तो पुरानी प्रॉपर्टी से हुए मुनाफे पर कोई टैक्स नहीं देना होगा। शर्त ये होगी कि बेची और खरीदी गई, दोनों प्रॉपर्टी रेसिडेंशियल ही हों। यदि आप जमीन जैसी कोई अन्य प्रॉपर्टी बेचकर तैयार मकान खरीदना चाहते हैं, तो ऐसी स्थिति में भी आयकर कानून की धारा 54एफ के तहत छूट मिलेगी। लेकिन यह कटौती समान कानून की धारा 54 के तहत मिली छूट से कम होगी।

प्रॉपर्टी न्यूनतम 24 माह होल्ड करना अच्छा

यदि आप खरीदी हुई प्रॉपर्टी को न्यूनतम 24 महीने अपने पास रखने के बाद बेचते हैं तो आपको 12.5% लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन टैक्स चुकाना होगा। यदि इससे पहले प्रॉपर्टी बेचते हैं तो आपको नॉर्मल स्लैब रेट से शॉर्ट टर्म कैपिटल गेन टैक्स देना पड़ेगा।

एसआईपी निवेश ने बनाया रिकॉर्ड, लेकिन इक्विटी फंड में घटा

प्लान | बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड एयूएम 70 लाख करोड़ के ऑल टाइम हाई पर

अप्रैल 2025 में भले ही शेयर बाजार में तेजी आई। एसआईपी निवेश ने रिकॉर्ड बनाया, लेकिन इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेशक सतर्क रहे। इसी के चलते इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश अप्रैल में 3.24 फीसदी घटकर 24,269 करोड़ रुपये रहा है। पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव की के चलते बाजार में जारी अस्थिरता के बीच यह गिरावट आई है। हालांकि अप्रैल महीने में एसआईपी के जरिए निवेश ने रिकॉर्ड बनाया है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) द्वारा शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार एसआईपी योगदान अप्रैल में 2.7% बढ़कर 26,632 करोड़ रुपये रहा, जो कि मार्च में 25,926 करोड़ रुपये था। ग्रॉस इनफ्लो अप्रैल में नई ऊंचाई पर पहुंच गया और दिसंबर 2024 के 26,459 करोड़ रुपये के आंकड़े के पार निकल गया। इक्विटी फंड में लगातार चौथे महीने निवेश में गिरावट दर्ज की गई, लेकिन यह लगातार 50वां महीना रहा, जब म्यूचुअल फंड योजनाओं में नेट इनफ्लो देखने को मिला।

इक्विटी एमएफ में अप्रैल में 24,269 निवेश हुआ जो मार्च के 25,082 करोड़

डेट फंड में 2.19 लाख करोड़ का निवेश

डेट फंड में भी अप्रैल महीने में 2.19 लाख करोड़ रुपये का निवेश हुआ, जबकि मार्च में 2.02 लाख करोड़ रुपये की निकासी हुई थी। कुल मिलाकर, म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री में अप्रैल में 2.77 लाख करोड़ रुपये का निवेश हुआ, जबकि मार्च में 1.64 लाख करोड़ रुपये की निकासी हुई थी। इस निवेश से इंडस्ट्री का एसेट अंडर मैनेजमेंट अप्रैल में बढ़कर रिकॉर्ड 70 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गई, जो मार्च के अंत में 65.74 लाख करोड़ रुपये था।

इक्विटी फंड में क्यों घटा निवेश

इक्विटी एमएफ में अप्रैल में 24,269 निवेश हुआ जो मार्च के 25,082 करोड़ रुपये, फरवरी के 29,303 करोड़ रुपये, जनवरी के 39,688 करोड़ रुपये और दिसंबर के 41,156 करोड़ रुपये से कम है। हालांकि यह मार्च के 25,082 करोड़ रुपये की तुलना में 3.24 फीसदी की मामूली गिरावट दर्शाता है, लेकिन फ्लो का वॉल्यूम महत्वपूर्ण बना हुआ है। खासकर चुनौतीपूर्ण ग्लोबल माहौल व 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत व पाकिस्तान के बीच बढ़ते जियो-पॉलिटिकल टेंशन के बीच।

इक्विटी फंड : किस श्रेणी में कितना निवेश

इक्विटी फंड कैटेगरीज में, फ्लेक्सी कैप फंड में अप्रैल में सबसे अधिक 5,542 करोड़ रुपये का निवेश हुआ. हालांकि, इक्विटी से जुड़ी बचत योजनाओं से 372 करोड़ रुपये की निकासी दर्ज की गई. अप्रैल में मिड-कैप और स्मॉल-कैप म्यूचुअल फंडों में निवेशकों की दिलचस्पी बनी रही, जिसमें 3,314 करोड़ रुपये और 4,000 करोड़ रुपये का निवेश हुआ. मार्च में 2,479 करोड़ रुपये की तुलना में लार्ज-कैप फंड को 2,671 करोड़ रुपये मिले।

इसे ऐसे समझें

- **लार्जकैप फंड्स :** इनफ्लो 2,479.31 करोड़ से बढ़कर 2,671.46 करोड़ रुपये
- **मिडकैप फंड्स :** इनफ्लो 3,438.87 करोड़ से घटकर 3,313.98 करोड़ रुपये
- **स्मॉलकैप फंड्स :** इनफ्लो 4,092.12 करोड़ से घटकर 3,999.95 करोड़ रुपये
- **फ्लेक्सी कैप फंड्स :** इनफ्लो 5,615 करोड़ से घटकर 5,542 करोड़ रुपये
- **मल्टीकैप फंड्स :** इनफ्लो 2,752.98 करोड़ से घटकर 2,551.71 करोड़ रुपये

क्या है इक्विटी फंड

इक्विटी फंड एक प्रकार का म्यूचुअल फंड है जो इक्विटी शेयरों में निवेश करता है। इक्विटी फंड का उद्देश्य लंबी अवधि में पूंजी वृद्धि करना होता है और यह निवेशकों को शेयर बाजार में निवेश करने का अवसर प्रदान करता है।

इक्विटी फंड की मुख्य विशेषताएं

1. **इक्विटी शेयरों में निवेश:** इक्विटी फंड इक्विटी शेयरों में निवेश करते हैं जो विभिन्न कंपनियों के शेयर होते हैं।
2. **लंबी अवधि का निवेश:** इक्विटी फंड लंबी अवधि के लिए निवेश करने के लिए उपयुक्त होते हैं।
3. **जोखिम:** इक्विटी फंड में जोखिम होता है क्योंकि शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव हो सकता है।

इक्विटी फंड के कुछ मुख्य फायदे

1. **पूंजी वृद्धि:** इक्विटी फंड लंबी अवधि में पूंजी वृद्धि करने में मदद कर सकते हैं।
2. **विविधीकरण:** इक्विटी फंड विभिन्न शेयरों में निवेश करते हैं जिससे जोखिम कम होता है।
3. **पेशेवर प्रबंधन:** इक्विटी फंड का प्रबंधन पेशेवर फंड प्रबंधकों द्वारा किया जाता है।

खबर संक्षेप

चोरी की बाइक बेचने जा रहे तीन युवक काबू

फतेहाबाद। वाहन चोरों की धरपकड़ करते हुए फतेहाबाद पुलिस ने पंजाब बार्डर पर नाकाबंदी के दौरान चोरीशुदा मोटरसाइकिल सहित तीन युवकों को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है। तीनों युवक चोरीशुदा मोटरसाइकिल को बेचने के लिए जा रहे थे लेकिन पुलिस ने इन्हें काबू कर लिया।
थाना सदर फतेहाबाद प्रभारी इंस्पैक्टर कुलदीप ने बताया कि हांसपुर पुलिस चौकी की टीम एएसआई अवतार सिंह के नेतृत्व में अपराधियों की धरपकड़ को लेकर हांसपुर-लोहगढ़ रोड पर, पंजाब बार्डर पर मौजूद थी। इस दौरान कार्रवाई की गई।

पिस्तौल सहित एक युवक को किया गिरफ्तार

फतेहाबाद। नाजायज हथियार रखने वालों की धरपकड़ करते हुए फतेहाबाद पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है। पकड़े गए युवक की पहचान विक्रम उर्फ मजनू पुत्र सेमा सिंह निवासी आजाद मार्किट, रतिया के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके पास से एक पिस्तौल 315 बोर व एक जिंदा कारतूस बरामद कर उसके खिलाफ थाना सदर रतिया में शस्त्र अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। थाना सदर रतिया प्रभारी ने बताया कि सीआईए फतेहाबाद प्रभारी यादवेन्द्र सिंह ने बताया कि सीआईए की टीम एचसी राजेन्द्र सिंह के नेतृत्व में अपराधियों की धरपकड़ को लेकर गश्त पर थी।

घरेलू समान चोरी के दो आरोपी गिरफ्तार

सिरसा। शहर थाना सिरसा पुलिस ने अग्रसेन कॉलोनी स्थित एक घर से एलईडी व घरेलू समान चोरी की वारदात को सुलझाते हुए दो युवकों को काबू किया है। शहर थाना प्रभारी संदीप ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान बाबू लाल पुत्र ओमप्रकाश निवासी गांव अरनियांवाली थाना नाथूसरी चोपटा व दीपक पुत्र जगन लाल निवासी सिरसा के रुप में हुई है। उन्होंने बताया कि सुधीर पुत्र मोहन लाल निवासी गली नंबर 8 अग्रसेन कॉलोनी सिरसा ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह प्राईवेट नौकरी करता है और फिलहाल अपने परिवार सहित नोहरिया बाजार सिरसा में रहता है। पीड़ित ने अग्रसेन कॉलोनी स्थित मकान को बेचने के लिए खाली छोड़ रखा था।

सड़क हादसे में तीन घायल, मामला दर्ज

फतेहाबाद। भूना क्षेत्र में एक बलोरो गाड़ी ने बुलेट मोटरसाइकिल में टक्कर दे मारी। इस हादसे में बाईक सवार युवक व दो महिलाएं घायल हो गई। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। इस मामले में भूना पुलिस ने केस दर्ज किया है। पुलिस को दी शिकायत में गांव बुआन निवासी विक्रमजीत ने कहा कि वह आयुष विभाग में हरियाणा कौशल रोजगार निगम के तहत आयुष योग सहायक के पद पर काम करता है। गत दिवस वह अपने बुलेट मोटरसाइकिल पर सवार होकर भूना से अपने घर गांव बुआन जा रहा था। उसके साथ मोटरसाइकिल पर उसकी पड़ोसी भजनो देवी व प्रियंका भी बैठी थी।

चोरीशुदा बाइक सहित युवक को किया काबू

सिरसा। गणेश धर्म कांटा के समीप वाहनों की चैकिंग के दौरान पुलिस ने एक युवक को चोरी की बाइक सहित काबू किया। पकड़े गए युवक की पहचान अरूण निवासी खारा बरवाला, आदमपुर जिला हिसार हाल गांव शेरपुरा, सिरसा के रूप में हुई है। शहर थाना पुलिस डबवाली रोड स्थित गणेश धर्म कांटा के समीप वाहनों की जांच कर रही थी। इसी दौरान एक बाइक सवार युवक पुलिस टीम को सामने देखकर भागने लगा। पुलिस टीम ने उसे काबू कर बाइक के कागजात मांगे तो वह कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे पाया। जिस पर पुलिस बाइक सहित युवक को पकडक़र थाने ले गई। पुलिस पूछताछ में अरूण ने बताया कि उसने यह बाइक नारनौल से चोरी किया था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

जिलेभर में मदर्स डे पर कार्यक्रमों की रही धूम

विद्यार्थियों ने नृत्य से मां की भावनाओं को किया व्यक्त

- गांधी विद्या मंदिर में कार्यक्रम का किया आयोजन
- मां के त्याग और बलिदान को चित्रित किया
- कार्यक्रम में भाग लेने वाले बच्चों को किया स्म्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

फतेहाबाद। गांधी विद्या मंदिर में मदर्स डे पर आयोजित कार्यक्रम में प्रस्तुति देते विद्यार्थी।

सेक्टर 12 स्थित गाँधी विद्या मंदिर स्कूल में मदर्स डे मनाया गया। कार्यक्रम का आरंभ वाइस प्रिंसिपल मोनिका शर्मा द्वारा दीप प्रज्वलन करके किया। कक्षा नवम् की छात्रा डोलसी ने मंच संचालक की भूमिका अदा की। द्वितीय, तृतीय व चतुर्थ श्रेणी के विद्यार्थीयों ने अपने नृत्य के माध्यम से मां के प्रति अपनी भावनाओं को व्यक्त किया।

कविता के माध्यम से कक्षा छठी की छात्रा रजनी ने माँ के त्याग और बलिदान को चित्रित किया। कक्षा पाँचवी व छठी के विद्यार्थियों ने अपने नृत्य के माध्यम से मां की कोमल भावनाओं को आलोकित किया। इस कार्यक्रम की कोरियाग्राफी टीचर अनुज द्वारा कराई गई। माताओं को उनके योगदान को समर्पित करते हुए सम्मानित भी किया। मंच की साज सज्जा आर्ट एंड क्राफ्ट टीचर संदीप की देखरेख में करवाई गई। अंत में प्रिंसिपल मिस्टर सुशील शर्मा ने कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी बच्चों को पुरस्कृत किया तथा उन्होंने सभी बच्चों व अध्यापकों को मातृ दिवस की शुभकामनाएँ दी।

फतेहाबाद। स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते विद्यार्थी।

मातृ दिवस पर आदर्श स्कूल दरियापुर में विशेष कार्यक्रम आयोजित

फतेहाबाद। गांव दरियापुर स्थित आदर्श सीनियर सेकेंडरी स्कूल में मातृ दिवस के अवसर पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नर्सरी से लेकर 5वीं कक्षा तक के छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और माताओं के प्रति अपने प्यार और सम्मान का इजहार किया। कार्यक्रम में छात्रों ने मातृ दिवस के अवसर पर विभिन्न प्रस्तुतियाँ दीं, जिनमें नृत्य और गीत शामिल थे। स्कूल के एमडी दर्शन मैहता ने मातृ दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला और माताओं के प्रति सम्मान व्यक्त करने के लिए छात्रों को प्रोत्साहित किया। प्रधानाचार्या अंजली मैहता और उप-प्रधानाचार्या सीमा कोचर ने भी मातृ दिवस के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए और माताओं के प्रति सम्मान और प्रेम का महत्व बताया।

क्रेसेंट स्कूल में उमड़ा भावनाओं का सागर

रतिया। क्रेसेंट स्कूल, रतिया में आज मातृ दिवस के अवसर पर एक सुंदर एवं भावनात्मक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बच्चों ने अपनी माताओं को समर्पित शानदार प्रस्तुतियों के माध्यम से उन्हें खास महसूस कराया। कार्यक्रम की शुरुआत कार्ड मेकिंग और गुलदस्ता बनाने की प्रतियोगिता से हुई, जिसमें विद्यार्थियों ने अपनी भावनाओं को रंगों और फूलों के माध्यम से प्रस्तुत किया। हर एक कार्ड और बुके में माँ के प्रति प्रेम और श्रद्धा की झलक देखने को मिली। इसके बाद रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया जिसमें बच्चों ने नृत्य और गायन की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। माँ पर आधारित गीतों पर बच्चों का नृत्य और मधुर गायन ने उपस्थित सभी लोगों को भावुक कर दिया।

सिरसा। कांग्रेस कार्यकर्ता सेना के पराक्रम को लेकर शहर में जयहिंद यात्रा निकालते हुए। फोटो : हरिभूमि

भारतीय सेना को किया सलाम

कांग्रेस ने निकाली जयहिंद यात्रा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

भारतीय सेना के हालिया पराक्रम और आतंक समर्थक पाकिस्तान के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई के सम्मान में कांग्रेस पार्टी द्वारा जय हिंद यात्रा का आयोजन किया गया। यह यात्रा शनिवार को कांग्रेस भवन से शुरू होकर भगवान श्री परशुराम चौक पर संपन्न हुई।

कालांवाली के विधायक शीशपाल केहरवाला ने कहा कि सेना के शौर्य ने पूरे देश का सिर गर्व से ऊंचा किया है। जय हिंद यात्रा के माध्यम से हम अपने वीर जवानों को सलामी देंगे और उनके बलिदान को नमन करेंगे। विधायक भरत सिंह बेनीवाल ने सेना के पराक्रम की प्रशंसा करते हुए सेना को सलाम किया। प्रदेश कांग्रेस प्रतिनिधि राजकुमार शर्मा ने भी सभी नागरिकों का इस यात्रा में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने पर आभार जताते हुए कहा कि यह यात्रा न केवल सेना के मनोबल को बढ़ाने का प्रयास है, बल्कि यह संदेश भी देती है कि देश की सुरक्षा और एकता के लिए हम सभी एकजुट हैं। शर्मा ने कहा कि आतंकवाद का खत्म हर हाल में होना चाहिए। पूरा देश सेना के साथ है और सेना को सलाम भी कर रहा है। सभी वक्ताओं ने कहा कि पाकिस्तान को मुंह तोड़ जवाब मिल रहा है।

यात्रा में ये रहे मौजूद

इस यात्रा में वीरभान मेहता, आनंद बियानी, जिला महिला प्रधान उर्मिला भारद्वाज, गोपीराम चाड़ीवाल, सुभाष जोधपुरिया, युवा कांग्रेस महासचिव मोहित शर्मा, गजानंद सोनी, सुमित बैनीवाल, रामकुमार निरंकारी, बलविंद्र सरपंच, लीलूराम सरपंच इत्यादि मौजूद थे।

जेजेपी जिला प्रेस प्रवक्ता बने ज्याणी

- अजय चौटाला ने प्रवक्ता अमर सिंह ज्याणी को मिठाई खिलाकर उन्हें बधाई दी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

सिरसा। जजपा के जिला प्रवक्ता बनने पर ज्याणी को मिठाई खिलाते अजय चौटाला।

अमर सिंह ज्याणी को जजपा ने पुनः जिला प्रवक्ता की जिम्मेदारी सौंपी है। पार्टी प्रवक्ता अमर सिंह ज्याणी ने अपनी नियुक्ति पर शनिवार को चौटाला हाउस पहुंचकर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजय सिंह चौटाला का आभार जताया। अजय चौटाला ने प्रवक्ता अमर सिंह ज्याणी को मिठाई खिलाकर उन्हें बधाई दी। डॉ. चौटाला ने आशा व्यक्त की है कि पार्टी के प्रवक्ता अमर सिंह ज्याणी ने सदैव पार्टी की कल्याणकारी नीतियों और कार्यों को मीडिया में बेहतर तरीके से प्रचारित किया और उसी के परिणामस्वरूप पार्टी की पूरे जिले में एक लोकप्रिय राजनीतिक व सामाजिक संगठन के रूप में छवि बनी। वहीं नवनियुक्त पार्टी के जिला प्रेस प्रवक्ता अमर सिंह ज्याणी ने भी पार्टी के शीर्ष नेतृत्व का आभार जताते हुए उन्हें भरोसा दिलाया कि वे पार्टी और मीडिया के बीच एक मजबूत सेतु की भांति कार्य करेंगे और पार्टी की कल्याणकारी नीतियों को प्रचारित करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ेंगे। इस अवसर पर जेजेपी के वरिष्ठ नेता राधेश्याम शर्मा, जिलाध्यक्ष अशोक वर्मा, जिला कार्यालय प्रभारी हरिसिंह भारी, सुखमंदर सिहाग, अनिल कासनिया, शगनजीत सिंह गिल, कुलदीप जांगू, शारदा सिहाग, पूजा महला, कादर खान, अकबर खान आदि पार्टी कार्यकर्ता मौजूद थे।

यूथ वीरांगनाओं ने मदर डे पर लगाया चेकअप कैंप

फतेहाबाद। यूथ वीरांगनाओं संस्था द्वारा संचालित अशोक नगर स्थित सेंटर में मदर डे मनाया गया। इस अवसर पर संस्था द्वारा एक हेल्थ चेकअप कैंप आयोजित किया गया। कैंप के दौरान सुपर स्पेशलिस्ट डॉक्टर अंजना दावडा ने अपनी सेवाएं प्रदान की। चेकअप कैंप के दौरान लगभग 80 महिलाओं की जांच की गई और उन्हें जागरूक किया गया कि एक गर्भवती महिला को अपना और अपने बच्चे का किस तरह से ध्यान रखना चाहिए। इस अवसर पर श्री चैत्नय स्कूल की प्रिंसिपल अंबिका अरोड़ा ने मुख्य रूप से शिरकत की। उन्होंने कहा कि एक गर्भवती महिला को समय पर अपनी जाँच करवानी चाहिए और पूर्ण संतुलित आहार लेना जरूरी है। डॉ. अंजना दावडा ने भी महिलाओं को प्रसव के समय की सवधानियों के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर संस्था द्वारा 20 आर्थिक रूप से कमजोर गर्भवती महिलाओं को पौष्टिक आहार की किट भी वितरित की गई। इस अवसर पर संस्था सदस्य सुनीता छाबड़ा, गीतु भूटानी, ऋतु तनेजा, संगीता मोंगा, ममता मोंगा, अंकिता, मनीशा, बिमल मुंजाल, सुषमा, पूजा मेहता, दीक्षा मेहता, प्रीतिका बजाज, सीमा ग्रोवर आदि उपस्थित रहे।

फतेहाबाद। कैम्प में महिलाओं की स्वास्थ्य जांच करती डॉ. अंजना।

फतेहाबाद। हिसार मंडलायुक्त अशोक गर्ग का अभिनंदन करते हरदीप सिंह, साथ हैं जिन्दगी संस्था सदस्य।

हिसार मंडलायुक्त से मिली जिन्दगी संस्था

फतेहाबाद में शिक्षा और नशा मुक्त अभियान को मिलेगी नई रफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

हिसार मंडल के नव नियुक्त आयुक्त अशोक गर्ग ने हाल ही में अपने पद का कार्यभार संभाल लिया है। कार्यभार ग्रहण करने के बाद सामाजिक संगठनों से संवाद के क्रम में उन्होंने प्रमुख समाजसेवी संगठन जिन्दगी संस्था की टीम से भेंट की। संस्था अध्यक्ष हरदीप सिंह और प्रमुख सदस्य मोहन सुथार के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने मंडलायुक्त को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं। इस दौरान मंडलायुक्त ने जिन्दगी संस्था द्वारा फतेहाबाद जिले में शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने और युवाओं को नशे की लत से दूर रखने के लिए किए जा रहे प्रयासों पर विस्तार से चर्चा की। संस्था द्वारा गांव-गांव में चलाए जा रहे 'जिन्दगी की चौपाल' अभियान की सराहना करते हुए मंडलायुक्त अशोक गर्ग ने कहा कि वे शीघ्र ही इस अभियान में सक्रिय भागीदारी करेंगे। उन्होंने फतेहाबाद जिले में नशे के खिलाफ जन जागरूकता फैलाने और युवाओं को रचनात्मक दिशा में जोडऩे की पहल को बेहद सराहनीय बताया। मंडलायुक्त ने यह भी आश्वासन दिया कि प्रशासन की ओर से ऐसे सकारात्मक अभियानों को हरसंभव सहयोग दिया जाएगा। संस्था अध्यक्ष हरदीप सिंह ने बताया कि जिन्दगी की चौपाल एक मुहिम नहीं, बल्कि जन आंदोलन की तरह गांवों में नशे के खिलाफ युवाओं, अभिभावकों और स्कूलों को जोडऩे का प्रयास है।

सामाजिक समरसता की रीढ़ थे भगत धन्नाजी: सुनीता दुग्गल

सिरसा। भगत धन्नाजी पर आधारित पुस्तक का विमोचन करते हुए अतिथिगण। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

सिरसा की पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल ने कहा कि भगत धन्नाजी भारत में सामाजिक समरसता की रीढ थे जिनकी शिक्षाएं पाकर भारतीयों को धार्मिक व आध्यात्मिक राह पर आगे बढऩे का अवसर मिला है।

वे शनिवार को भगत धन्नाजी ट्रस्ट के बैनर तले जाट धर्मशाला में उनके जन्मोत्सव पर आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रही थी। उन्होंने कहा कि भारत सदैव ऋषि, मुनियों, पीर, पैगंबरों का देश रहा है और उनकी शिक्षाओं ने सदैव भारतीयों में संस्कारों की बेल को पोषित किया है, जो प्रत्येक भारतीयों में नजर आती है। इससे पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल के अलावा नगरपरिषद सिरसा के चेयरमैन वीरशांतिस्वरूप भट्टी, युवा नेता कर्ण प्रताप सिंह बेदी, ट्रस्ट की महिला विंग की राष्ट्रीय अध्यक्ष रीटा कासनिया, ट्रस्ट के अध्यक्ष अमरीक सिंह राही, संरक्षक डॉ. राजेंद्र कड़वासरा, वरिष्ठ पदाधिकारी महेंद्र घणघस व हनुमान गोदारा ने संयुक्त रूप से भगत धन्नाजी पर आधारित पुस्तक का विमोचन किया। इसका उद्देश्य था कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में लोग भगत धन्नाजी के जीवन को जानकर उनसे प्रेरणा ले सकें।

ट्रस्ट के अध्यक्ष अमरीक सिंह राही ने जहां आए हुए सभी अतिथियों का स्वागत किया वहीं संरक्षक डॉ. राजेंद्र कड़वासरा ने ट्रस्ट की ओर से भविष्य में की जाने वाली कार्य गतिविधियों के सिलसिले में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। मंच संचालन वरिष्ठ पदाधिकारी महेंद्र घणघस व अंग्रेज सिंह औलख ने संयुक्त रूप द्व से किया।

ये रहे मौजूद

कार्यक्रम में रामकिशन खोथ, इंद्रपाल कसवां, शिंगारा सिंह, राजीव बागड़ी, मुकेश लाखलान, विनोद सहारण, गुरभेज सिंह ढिल्लों, कमलदीप शर्मा आदि मौजूद थे।

न्यूज डायरी

एटीएम बदलकर निकाले 11500 रुपये

सिरसा। शहर के कंगनपुर निवासी व्यक्ति का एटीएम बदलकर शातिर युवकों ने 11500 रुपए निकाल लिए। पुलिस को दी शिकायत में कृष्ण कुमार ने बताया कि उसने बीती 8 मई की शाम को अपने भतीजे को रूपए निकालने के लिए एटीएम कार्ड दिया था। उसके भतीजे ने बेगू रोड स्थित एटीएम से 6 हजार रुपए निकाले। एटीएम व रुपए देकर वह चला गया। कुछ देर बाद उसके मोबाइल पर दो बार मैसेज आया, जिसमें 11500 रुपए की राशि निकाली गई। जब उसने एटीएम चैक किया तो वह बदला हुआ था। उसने भतीजे से पूछताछ की तो पता चला कि रुपए निकालने के दौरान दो युवक वहां मौजूद थे, जिन्होंने उसे बातों में लगाकर उसका एटीएम बदल दिया।

खेतों से हजारों की केबल चोरी, कस दर्ज

सिरसा। गांव अलीकां में एक किसान के खेतों से चोर हजारों रुपए की ट्यूब्वैल की केबल चोरी कर ले गए। पुलिस को दी शिकायत में ज्ञान चावला ने बताया कि बीती 8 मई की शाम को वह खेतों से घर आ गया। देर रात्रि को चोरों ने खेतों में घुसकर उसके ट्यूब्वैल से करीब 225 फुट केबल चोरी कर ली, जिसकी कीमत करीब 25 से 30 हजार रुपए है। सुबह वह खेतों में गया तो उसे घटना का पता चला। उसने अपने स्तर पर आसपास के लोगों से भी पूछताछ की, लेकिन कोई सुराग नहीं लगा, जिसपर पुलिस को सूचित किया गया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी

नहीं चुकाया जा सकता मां का कर्ज: सुमन वर्मा

सिरसा। भारत गल्र्ज वेल्फेयर ट्रस्ट, भावदीन की ओर से मातृ दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें बतौर मुख्यातिथि श्री लक्ष्मीनारायण संकीर्तन महिला मंडल की अध्यक्ष सुमन वर्मा ने शिरकत की। ट्रस्ट की ओर से उनका स्वागत प्रिंसिपल मंजू शर्मा व भारत शर्मा ने किया। सुमन वर्मा ने कहा कि मां ढाल बनकर हर मुसीबत में अपने बच्चों की रक्षा करती है।

देविवि कर्मचारी संघ के चेयरमैन बने बजरंगलाल

सिरसा। चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय कर्मचारी संघ हरियाणा की कार्यकारिणी के चुनाव करवाए गए, जिसकी अध्यक्षता राष्ट्रीय राज्य कर्मचारी महासंघ के पंजाब, हरियाणा के प्रभारी एवं राज्य कर्मचारी संघ के प्रदेश संगठन मंत्री कृष्णलाल गुर्जर ने की। इस अवसर पर सर्वसम्मति से चेयरमैन बजरंगलाल, प्रधान रविंद्र सैनी, वरिष्ठ उपप्रधान संजय श्योराण, उपप्रधान लीलूराम जांगड़ा, सचिव डॉ. सुरेंद्र हांडा, सहसचिव मनोज रेहलन, सहसचिव रोहताश गुर्जर, कोषाध्यक्ष प्रवीण कपूर, कार्यकारी सदस्य रामशब्द आदि मौजूद रहे।

आश्रम ने बुजुर्ग को अपनों से मिलवाया

फतेहाबाद। स्वामी सदानंद महाराज के सानिध्य में फतेहाबाद में चल रहे सद्गुरूप कृपा अपना घर मंगल राधिका सदानंद सेवा धाम ने आज फिर एक बुजुर्ग को उसके घरवालों से मिलवाया है। बुजुर्ग को सकुशल पाकर परिजन काफी खुश नजर आए। यह बुजुर्ग एक वर्ष से बिहार के दरभंगा से लापता था। क्राइम ब्रांच फतेहाबाद को 7 नवम्बर 2024 को यह 70 वर्षीय बुजुर्ग सिरसा बाईपास नई अनाज मण्डी के पास लावारिस हालत में मिला था। बुजुर्ग किसी कारणवश अपनों से बिछड़ गया था। इसके बाद क्राइम ब्रांच फतेहाबाद की टीम ने इस बुजुर्ग को सद्गुरू कृपा अपना घर आश्रम में छोड़ दिया था।

पुस्तक मेले के साथ डेंटल चेकअप शिविर आयोजित

फतेहाबाद। पुलिस लाइन स्थित डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल, फतेहाबाद के पुस्तकालय विभाग के तत्वावधान में स्कॉलर इंडिया गुरुग्राम के सहयोग से एक भव्य पुस्तक मेले का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों के लिए ज्ञानवर्धक पुस्तकों की एक समृद्ध श्रृंखला लेकर आया, जिसने सभी को साहित्य की दुनिया में डुबकी लगाने का अवसर प्रदान किया। पुस्तक मेले का उद्घाटन विद्यालय प्रधानाचार्य अरुण शर्मा द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। उन्होंने इस पहल की सराहना करते हुए कहा, पुस्तकें न केवल ज्ञान का स्त्रोत होती हैं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। ऐसे मेले छात्रों को पुस्तकें पढऩे के लिए प्रेरित करते हैं।

एटीएम बदलकर लगाई 75 हजार की चपत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

कीर्तिनगर में एटीएम से पैसे निकलवाने गए व्यक्ति का एटीएम कार्ड बदलकर शातिर ठगों ने उसे 75 हजार रुपए की चपत लगा दी। पुलिस को दी शिकायत में कंगनपुर रोड निवासी देवीलाल ने बताया कि शाम को वह एटीएम से पैसे निकलवाने के लिए गया था। एटीएम मशीन में एटीएम लगाने के बाद भी राशि नहीं निकली। तभी वहां दो युवक आए और उन्होंने मदद की बात कही। युवकों ने उसका एटीएम लेकर लगाया और जैसे ही उसने पिन लगाया तो युवकों ने देख लिया। इसके बाद भी राशि नहीं निकली। इसी दौरान बातों में लगाकर युवकों ने उसका एटीएम बदल लिया और वहां से चले गए। कुछ देर बाद वह घर पहुंचा तो उसके मोबाइल पर 75 हजार रुपए की ट्रांजेक्शन के मैसेज आया तो उसे अपने साथ हुई ठगी का पता चला। उसने एटीएम संभाला तो वह बदला हुआ था। उसने तुरंत बैंक के नंबर पर फोन कर एटीएम बंद करवाया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्जकर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

प्रतिक्रिया फोन पर प्रशासनिक अधिकारियों से बातचीत कर ली स्थिति की जानकारी

सांसद सैलजा ने सिरसा में पाक मिसाइल ध्वस्त करने पर भारतीय सेना को दी बधाई

- लोगों को समय पर सटीक जानकारी उपलब्ध कराएं और आवश्यक सुरक्षा उपायों को और अधिक प्रभावी बनाने का किया आह्वान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने सिरसा के पास पाकिस्तान मिसाइल गिरने की घटना पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि पाकिस्तान की ओर से आए एक संदिग्ध मिसाइल को भारतीय सेना द्वारा समय रहते गिराया जाना हमारी सुरक्षा एजेंसियों की तत्परता, साहस और कर्तव्यनिष्ठा का प्रमाण है। वे इस सफल कार्रवाई के लिए भारतीय सेना को हार्दिक बधाई देती हैं। साथ ही सैलजा ने फोन पर सिरसा जिला प्रशासन के अधिकारियों से बातचीत कर स्थिति के बारे में जानकारी ली। सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि यह घटना हमें यह याद दिलाती है कि सीमावर्ती क्षेत्रों में सतर्कता और सहयोग कितना आवश्यक है। वे सिरसा की जागरूक जनता से अपील करती हैं कि वे अफवाहों से बचें और प्रशासन द्वारा जारी किए जा रहे निर्देशों का पूरी गंभीरता से पालन करें। यह समय धैर्य, एकजुटता और संवेदनशीलता का है। सैलजा ने प्रशासन से भी अनुरोध करते हुए कहा कि लोगों को समय पर सटीक जानकारी उपलब्ध कराएं और आवश्यक सुरक्षा उपायों को और अधिक प्रभावी बनाएं। हम सभी को मिलकर अपने देश, क्षेत्र और नागरिकों की सुरक्षा के लिए सतर्कता और जिम्मेदारी से आगे बढ़ाना होगा। इस आपातकालीन स्थिति में सभी से सहयोग की अपेक्षा है।

खबर संक्षेप

नव नियुक्त प्राचार्य ने संभाला पदभार

सिरसा। गांव भुरटवाला के पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में लंबे समय से रिक्त चल रहा प्राचार्य के पद पर शनिवार को देवीलाल सहारण ने पदभार ग्रहण किया है। उल्लेखनीय हैं कि देवीलाल सहारण पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय माधोसिंघाना में इतिहास विषय के प्रवक्ता पद पर थे। विभाग द्वारा इनको पदोन्नति करके प्राचार्य पद पर नियुक्ति दी है। सहारन द्वारा प्राचार्य के पदभार ग्रहण करने पर भुरटवाला विद्यालय के कार्यवाहक प्राचार्य अनिल कुमार शर्मा व स्टाफ सदस्यो ने उनका स्वागत किया।

मोबाइल चोरी के दो आरोपी गिरफ्तार

सिरसा। सीआईए डबवाली पुलिस ने मोबाइल चोरी की वारदात के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से छीना हुआ मोबाइल बरामद कर लिया है। सीआईए डबवाली प्रभारी सब इंस्पेक्टर राजपाल ने बताया कि 03.04.2025 को तरविंद्र पाल पुत्र साधु राम निवासी टप्पी जिला सिरसा की शिकायत पर कि दो अज्ञात व्यक्तियों द्वारा उसका मोबाइल चोरी कर लिए जाने पर थाना सदर में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। जांच के दौरान सीआईए डबवाली स्टाफ ने अपने महत्वपूर्ण सुराग जुटाते हुए दो आरोपियों को चोरी हुए मोबाइल के साथ काबू किया गया है। आरोपियों की पहचन अंग्रेज सिंह पुत्र जसवीर सिंह व सिकंदर सिंह पुत्र कृष्ण सिंह निवासी रामा मंडी जिला बठिंडा पंजाब के रपु में हुई है। आरोपियों को अदालत में पेश किया जाएगा।

हेरोइन तस्करी के आरोप में युवक काबू

फतेहाबाद। भट्टूकलां पुलिस ने नशा तस्करी मामले में कार्रवाई करते हुए एक युवक को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है। पकड़े गए युवक की पहचान सुशील कुमार पुत्र बेदप्रकाश निवासी भट्टूकलां के रूप में हुई है। थाना भट्टूकलां प्रभारी ने बताया कि इस बारे पुलिस ने 13 जनवरी को एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया था। पुलिस टीम ने गश्त के दौरान राकेश उर्फ गोलू पुत्र मदन लाल निवासी भट्टूकलां को ठुईयां कैंचियों के पास से गिरफ्तार किया था। पुलिस ने उसके पास से 8.10 ग्राम हेरोइन बरामद की थी। इस मामले में आरोपी से पूछताछ के आधार पर पुलिस ने उसके साथी को भी गिरफ्तार कर लिया है।

टोहाना शहर से एक मोटरसाइकिल चोरी

फतेहाबाद। वाहन चोरों ने टोहाना शहर से एक मोटरसाइकिल चोरी कर लिया। इस बारे पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई गई है। पुलिस को दी शिकायत में प्रेम नगर टोहाना निवासी तरसेम खोबड़ा ने कहा कि गत दिवस वह अपने मोटरसाइकिल पर सवार होकर किसी काम से बाजार गया था। उसने अपने मोटरसाइकिल को रेलवे रोड स्थित कल्पना चावला पार्क के पास खड़ा किया और चला गया। कुछ देर बाद जब वह वापस आया तो उसने देखा कि वहां से उसका मोटरसाइकिल गायब था। इस पर पहले उसने आसपास तलाश की लेकिन जब मोटरसाइकिल बारे कुछ पता नहीं चला तो उसने इस बारे पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई।

शहर में जगह- जगह लगे कचरे के ढेर

कचरा उठाने का टेंडर खत्म 40% कालोनियों में बुरा हाल

नगरपरिषद प्रशासन की मिसमैनेजमेंट के चलते शहर के डम्पिंग प्वाइंटों में फैला कचरा

ठेका खत्म होने के बाद अनुबंध पर एजेंसी से गाड़ियां लेने की अनुमति मांगी गई। बीते वीरवार को नगर परिषद को सात गाड़ियां मिल गई थी लेकिन उसके बाद भी शहर के हालात नहीं सुधरे हैं। शहर की 40 फीसदी कालोनियों में कचरा उठान न होने से लोग परेशान हैं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

नगर परिषद प्रशासन ठेका खत्म होने के बाद कचरा उठान को लेकर व्यवस्था नहीं बना पा रहा है। यहां तक शहर के मुख्य डम्पिंग प्वाइंटों से कचरे का उठान नहीं हो रहा है। शनिवार को शहर के पुराना बस स्टैंड के पास शिवालय मार्केट के सामने कचरे के ढेर लगे रहे। इसके अलावा भट्टू रोड और बीघड़ रोड पर भी ये ही हालात रहे। यही नहीं, शहर की बाहरी कॉलोनियों में पिछले 8 दिन से डोर टू बोर कचरा उठान भी बंद है। ये हालात तब है, जब नगर परिषद प्रशासन कचरा उठान को लेकर प्रॉपर्टी मालिकों से चार्ज वसूल कर रहा है। हालांकि नगर परिषद प्रशासन ने कचरा उठान को लेकर सात गाड़ियां और लोडर सिरसा की एजेंसी से अनुबंध पर ले लिया है लेकिन उसके बावजूद हालात जस के तस बने हुए हैं। शहर की 40 फीसदी कालोनियों में आज भी डोर टू डोर कचरा उठान न होने से लोग परेशान हैं। नगरपरिषद अधिकारियों का कहना है कि एक-दो दिन में व्यवस्था को सुधार लिया जाएगा और सोमवार से सभी कॉलोनियों में रेगुलर कचरा उठान का काम शुरू हो जाएगा। नगर परिषद प्रशासन ने वर्ष 2023 में एजेंसी को डोर टू डोर कचरा उठान का ठेका दिया था, लेकिन ये ठेका मई 2024 में खत्म हो गया। इसे अलग-अलग बार 30 अप्रैल तक बढ़ाया गया। इस दौरान डोर टू डोर कचरा उठान की टेंडर प्रक्रिया पूरी नहीं हो पाई। यहां तक नगर परिषद प्रशासन व्यवस्था भी नहीं बना पाया। ठेका खत्म होने के बाद अनुबंध पर एजेंसी से गाड़ियां लेने की अनुमति मांगी गई। बीते वीरवार को परिषद को सात गाड़ियां मिल गई थी लेकिन उसके बाद भी शहर के हालात नहीं सुधरे हैं।

फतेहाबाद। शहर में डम्पिंग प्वाइंट पर लगा कूड़े का ढेर।

ये है शहर में प्रॉपर्टी की स्थिति संख्या के साथ

100 स्क्वायर मीटर के प्रॉपर्टी :	6293
100 से 200 स्क्वायर मीट तक की प्रॉपर्टी :	8785
200 से 400 स्क्वायर मीटर तक की प्रॉपर्टी :	3532
400 स्क्वायर मीटर से ज्यादा की प्रॉपर्टी :	999

जेसीबी खराब होने के कारण कचरा उठान समय पर नहीं हो पाया है। अनुबंध पर गाड़ियां ले ली गई हैं। सोमवार से डोर टू डोर कचरा उठान शुरू कर दिया जाएगा। - सतपाल सैनी, सीएसआई, नगर परिषद

महिला के कान की बाली छीनने के आरोप में दो युवक गिरफ्तार, मोटरसाइकिल बरामद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

एक महिला के कान से सोने की बाली छीनने के मामले में कार्रवाई करते हुए सदर टोहाना पुलिस ने दो और युवकों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए युवकों की पहचान कमल पुत्र बिट्टूराम निवासी रतिया रोड टोहाना व दिलबाग पुत्र लीलाराम निवासी जमालपुर शेखां के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके पास से वारदात में प्रयोग किए गए मोटरसाइकिल को भी बरामद किया है।

दोनों को अदालत में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया जाएगा। इस मामले में एक आरोपी राहुल उर्फ गप्पड़ पुत्र शमशेर सिंह निवासी जमालपुर शेखां को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। थाना सदर टोहाना प्रभारी एसआई शादी राम ने बताया कि इस बारे पुलिस ने 22 अप्रैल को जमालपुर शेखां निवासी महिला बबली बाई की शिकायत पर केस दर्ज किया था। शिकायतकर्ता के अनुसार जब वह हैदर वाला रोड, भाखड़ा नहर से लकड़ी लेकर घर जा रही थी तो दो युवक गप्पड पुत्र शमशेर व दिलबाग सिंह पुत्र लीलाराम निवासी जमालपुर शेखां मोटरसाइकिल पर पीछा करते हुए आए और गुरुद्वारे के पास अकेला पाकर उसके कान से सोने की बाली खींचकर मौके से फरार हो गए। इस मामले में सदर टोहाना पुलिस ने महिला की शिकायत पर केस दर्ज किया और जांच अधिकारी एएसआई ललित कुमार ने आरोपियों बारे अहम सुराग जुटाते हुए अब तक तीन युवकों को गिरफ्तार कर लिया है।

फतेहाबाद। पुलिस गिरफ्त में महिला से छीना झपटी के आरोपी युवक।

साइबर ठग ने महिला के साथ की धोखाधड़ी, केस

फतेहाबाद। साइबर ठगों ने जाखल में एक महिल को बातों में फंसाकर ओटीपी पूछा और उसे खाते से हजारों रुपये निकाल लिए। इस बारे महिला ने अपने साथ हुई धोखाधड़ी बारे पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई गई है। पुलिस को दी शिकायत में टोहाना के गांव नथुवाल निवासी अमनदीप कौर ने कहा है कि जुलाई 2024 में उसके पास अज्ञात व्यक ति ने फोन किया और उसे पैसों का लालच देकर कहने लगा कि उसके मोबाइल फोन में एक ओटीपी आएगा, वह उसे ओटीपी बता दे जिससे उसके खाते में पैसे आ जाएंगे। इस पर उसने उक्त युवक की बातों में आकर फोन पर आए ओटीपी को उसे बता दिया। इसके बाद उसके सर्व हरियाणा ग्रामीण बैंक के खाते से 34 हजार 336 रुपये कट गए। इस पर उसे अपने साथ हुई धोखाधड़ी का पता चला तो पुलिस को शिकायत दी।

कनाडा की ऑनलाइन टिकट बुक करवाने के नाम पर 1.37 लाख ठगे

फतेहाबाद। कनाडा जाने के लिए ऑनलाइन टिकट बुक करवाने के नाम पर फतेहाबाद के एक युवक से 1 लाख 37 हजार की ठगी होने का मामला सामने आया है। पुलिस को दी शिकायत में गांव जांडवाला बागड़ निवासी संदीप ने कहा है कि वह ऑनलाइन मोबाइल मंगवाकर बेचने का काम करता है। 20 सितम्बर 2024 को उसके दोस्त रविन्द्र निवासी गांव सह जिला भिवानी ने उसे फोन किया और कहा कि उसने कनाडा जाने के लिए ऑनलाइन एयर टिकट बुक करवानी है। वह उसकी टिकट बुक करवा दे और वह उसे नकद पैसे दे देगा। उसने यह बात गांव के रोहताश को बताई तो रोहताश ने कहा कि विपुल सुरा पुत्र संजय सूरा निवासी बुगाना जिला हिसार उसका भांजा है और वह विदेश भेजने व ऑनलाइन टिकट का काम करता है। उसका डाबडा चौक हिसार में दफ्तर है। इसके बाद रोहताश ने उसकी विपुल से बात करवाई। इसके बाद उसने अपने दो बैंकों के केर्डिट कार्ड की फोटो उसे भेज दी। इसके बाद विपुल ने उसे फोन कर टिकट के लिए ओटीपी मांगा। उसने विपुल को ओटीपी दे दिया। इसके बाद उसके आईसीआईसीआइ के क्रेडिट कार्ड से 66950 रुपये और फेडरल बैंक के क्रेडिट कार्ड से 70478 रुपये कट गए। इसके बाद जब उसने विपुल से टिकट मांगी तो वह आनाकानी करने लगा।

अरोड़ा खत्री पंजाबी कम्युनिटी ने की प्रस्तावित अस्पताल को मेडिकल कॉलेज का दर्जा देने की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद के प्रस्तावित नागरिक अस्पताल को मेडिकल कॉलेज का दर्जा देने की मांग को लेकर ऑल इंडिया अरोड़ा खत्री पंजाबी कम्युनिटी का प्रतिनिधिमंडल आज भाजपा जिलाध्यक्ष प्रवीण जोड़ा से मिला और सीएम के नाम ज्ञापन सौंपकर फतेहाबाद के सैक्टर 9 में बने रहे नागरिक अस्पताल को मेडिकल कॉलेज बनाने की मांग रखी। इस अवसर पर संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष साहब दयाल वधवा, प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश चुघ ने कहा कि सरकार को प्रस्तावित नागरिक अस्पताल को मेडिकल कॉलेज का दर्जा देना चाहिए, इससे प्रदेश सरकार के जहां बनाने के 2 हजार करोड़ बचेंगे वही इसके साथ पड़ी सैक्टर 9,10,11 सेक्टर की जमीन से करोड़ों रुपए का रेवेन्यू सरकार को प्राप्त होगा। जब लोगों को जिला हेड क्वार्टर पर मेडिकल कॉलेज की सुविधा मिलेगी तो उन्हें नागरिक अस्पताल की जरूरत कम पड़ेगी और नागरिक अस्पताल का वर्कलोड भी कम होगा। इस अवसर पर संस्था प्रदेश प्रवक्ता विनोद अरोड़ा, जिला अध्यक्ष महिला विंग राखी मक्कड़ व अन्य मौजूद रहे।

फतेहाबाद। भाजपा जिलाध्यक्ष को ज्ञापन सौंपते अरोड़ा खत्री पंजाबी कम्युनिटी के पदाधिकारी।

पंचायत ने ढुकड़ा के सरकारी स्कूल के भवन पर लगवाया सायरन, टास्क फोर्स टीम तैयार, प्रशासन से करेगी तालमेल

सरकार व प्रशासन के साथ मिलकर करेंगे देशसेवा : राजेंद्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चोपटा

गांव ढुकड़ा के सरपंच राजेंद्र ढुकड़ा ने गांव में विभाग की गाइडलाइन अनुसार गांव ढूकड़ा के सरकारी स्कूल के भवन पर सायरन सेट करवा दिया है। सरपंच राजेंद्र ढूकड़ा ने कहा कि देशहित में कार्य करने के लिए उन्होंने सफाई कर्मचारी कालूराम व जगदीश को एक गाड़ी देकर उसके ऊपर माइक सिस्टम लगाकर मुनादी की ड्यूटी लगा दी है। उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायत ढूकड़ा ने जिला प्रशासन सिरसा के निर्देशानुसार गांव की सभी सोलर लाइटों को कवर्ड कर दिया है। सरपंच ने कहा कि गांव के सभी वार्डों में पंचायत सदस्यों को लोगों को शाम के समय घरों के बाहर की लाइटें सरकार के निर्देशानुसार जब भी ब्लैकआउट के निर्देश आएं तो उनको बंद करवाने की जिम्मेदारी लगा दी है। ब्लैकआउट की स्थिति में व प्रशासन के निर्देशानुसार आगे की गतिविधियों के लिए गांव की टास्क फोर्स टीम भी तैयार कर ली है, जिसमें मनोज शर्मा, धर्मपाल, रमेश, इंद्रजीत व श्रवण जिला प्रशासन के साथ सभी जानकारी सांझा करेंगे तथा गांव की गतिविधियों पर नजर रखेंगे। राजेंद्र ढूकड़ा ने बताया कि जिला प्रशासन के निर्देशानुसार गांव के सरकारी स्कूल को सेफ हाउस भी बना लिया है, जिसमें कमरों, बिजली-पानी व सुरक्षा की सभी सुविधाओं की तैयारी है तथा मेडिकल सुविधाओं की भी कमी नहीं है।

सिरसा। ग्राम पंचायत ढुकड़ा सरकारी स्कूल के भवन पर सायरन लगवाते हुए।

टोहाना पुलिस ने वाहन चोर को कुछ ही घंटों में किया काबू

फतेहाबाद। वाहन चोरों की धरपकड़ करते हुए टोहाना पुलिस ने वाहन चोर को कुछ ही घंटों में काबू करने में सफलता हासिल की है। पकड़े गए युवक की पहचान कुलदीप सिंह पुत्र नछतर सिंह निवासी टिब्बी हरी सिंह जिला मानसा, पंजाब के रूप में हुई है। थाना शहर टोहाना प्रभारी इंस्पैक्टर प्रहलाद सिंह ने बताया कि इस बारे पुलिस ने 9 मई को पटेल नगर टोहाना निवासी हैप्पी की शिकायत पर केस दर्ज किया था। शिकायतकर्ता के अनुसार वह अपने मोटरसाइकिल पर सवार होकर बाजार गया था। उसने मोटरसाइकिल को चण्डीगढ़ रोड फ्लाईओवर के नीचे खड़ा करके दुकान पर मोबाइल ठीक करवाने चला गया। कुछ देर बाद जब वह वापस आया तो उसने देखा कि वहां से उसका मोटरसाइकिल चोरी हो गया था। इस मामले में टोहाना पुलिस ने केस दर्ज किया और जांच अधिकारी ने आरोपी बारे अहम सुराग जुटाते हुए उसे कुछ ही समय में आईटीआई के पास से गिरफ्तार कर उससे पूछताछ शुरू कर दी है।

पुलिस ने साइबर ठग को दबोचा

दुकानदार को जीरा, धनिया भेजने के नाम पर 1 लाख ठगे, यूपी का युवक गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भूना

भूना के दुकानदार से 1 लाख 5 हजार की ठगी करने के मामले में कार्रवाई करते हुए साइबर थाना फतेहाबाद पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए युवक की पहचान रणजीत कुमार पुत्र अरविंद निवासी अतरौली जिला कन्नौज, यूपी के रूप में हुई है। आरोपी को अदालत में पेश कर 3 दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है। साइबर थाना फतेहाबाद प्रभारी इंस्पैक्टर सतीश ने बताया कि इस बारे पुलिस ने 27 अप्रैल को खैरी चौक, भूना निवासी लीलाकृष्ण की शिकायत पर केस दर्ज किया था। शिकायतकर्ता के अनुसार उसकी भूना में गेहूं-चना पिसने के लिए जय बाबा राणाधीर एग्रो नाम से 5 चक्कियां हैं। उसने जीरा व धनियां की पिसाई करनी थी। जीरा व धनियां खरीदने के लिए उसने 7 अप्रैल को इंडिया मार्ट एप पर ट्रेडिंग कम्पनी सर्च की तो उसका सम्पर्क जैन ट्रेडिंग कम्पनी से हुआ। उन्होंने उसे सामान के बिल की कॉपी व अपना आधार कार्ड व्हाटसएप पर भेजा, जिसको उसने वेरिफाई किया। इसके बाद उसने जीरा व धनियां खरीदने के लिए उक्त फर्म के अकाउंट में 1 लाख 5 हजार रुपये ट्रांसफर कर दिए। इस पर उससे कहा गया कि वह कल उसका सामान भेज देंगे। इसके बाद से उनका फोन नंबर बंद आ रहा है। कई दिन बीतने के बाद भी जब उसे जीरा व धनिया नहीं मिला तो उसे अपने साथ हुई धोखाधड़ी का पता चला और उसने इस बारे ऑनलाइन शिकायत दर्ज करवाई। इस मामले में साइबर थाना फतेहाबाद पुलिस ने धोखाधड़ी बारे केस दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार किया।

फतेहाबाद। पुलिस गिरफ्त में दुकानदार से धोखाधड़ी का आरोपी।

युवक पर तेजधार हथियार से हमला पुलिस ने चार पर केस दर्ज किया

फतेहाबाद। गांव कुम्हारिया में एक युवक पर चार लोगों ने तेजधार हथियार से हमला कर दिया। आरोप है कि पुलिस घायल को अग्रोहा मेडिकल कॉलेज में भर्ती करवाने लेकर गई, मगर वहां दाखिल करने से इनकार कर दिया गया। फिर उसे घायल अवस्था में पहले बड़ोपल पीएचसी लाया गया। वहां से फतेहाबाद भेजा गया। फिर फतेहाबाद से अग्रोहा रेफर किया गया, तब जाकर उसको भर्ती करके इलाज शुरू किया गया। पुलिस ने चार आरोपियों पर केस दर्ज किया है। पुलिस को दी शिकायत में गांव कुम्हारिया निवासी पृथ्वी सिंह ने बताया कि वह 7 मई की रात को अपनी मौसी के घर से अपने घर स्कूटी पर जा रहा था। रास्ते में तीन-चार लोगों ने पीछे आकर अंधेरे का फायदा उठाकर उस पर तेजधार हथियार से हमला कर दिया। आरोप है कि गांव के ही रोहताश उर्फ बिल्लू, सुनील, कीमत सिंह और एक अन्य ने उसके सिर पर वार किया, जिससे वह जमीन पर गिर गया। उसका एक दांत भी टूट गया। शोर सुनने के बाद पहुंचे आसपास के लोग आए, जिनमें से किसी ने डायल 112 पर सूचना दी। उसके बाद पुलिस आई और उसे अग्रोहा मेडिकल कॉलेज लेकर गई। मगर वहां उसे दाखिल करने से मना कर दिया। उसके बाद गांव के देवीलाल और राजपाल उसे बड़ोपल पीएचसी में लेकर आए। यहां से उसे फतेहाबाद भेज दिया। पृथ्वी ने बताया कि वह खून से लथपथ दर्द से कराहता रहा, उसके बाद उसे फतेहाबाद सिविल अस्पताल से अग्रोहा मेडिकल कॉलेज में दाखिल करवाया गया। उसके चार जगह चोटें आई हैं। पृथ्वी सिंह ने आरोप लगाया कि आरोपी नशा तस्कर हैं और सरेआम नशीला पदार्थ और जहरीली शराब बेचते हैं।

जेवरात व नकदी चोरी के दो आरोपी गिरफ्तार

सिरसा। सदर थाना पुलिस ने रहमत कॉलोनी शाह सतनामपुरा सिरसा क्षेत्र में स्थित एक घर से सोने-चांदी के जेवरात, मोबाइल फोन व नकदी चोरी के दो आरोपियों काबू किया है। सदर थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़ित जगमीत सिंह पुत्र गुरनाम सिंह निवासी रहमत कॉलोनी गली नंबर 4 शाह सतनामपुरा ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वर्ष 2023 में वह अपने परिवार सहित घर में ताला लगाकर डेरा सच्चा सौदा सिरसा में सत्संग सुनने के लिए गए हुऐ थे। दो तीन घंटों के बाद वापस घर आकर देखा तो घर के ताले टूटे हुए थे और घर का सारा सामान बिखरा पड़ा था। घर में सामान चेक करने पर पता चला कि अज्ञात चोरों ने घर से सोने की एक जोड़ी कानों की बालियां, एक सोने की अंगुठी, दो जोड़ी चांदी की पाजेब, एक मोबाइल फोन तथा 28 हजार रुपए की नकदी चोरी करके ले गए थे। उन्होंने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर अज्ञात युवकों के खिलाफ थाना सदर सिरसा में चोरी का केस दर्ज कर जांच शुरु की गई थी। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किए गए युवकों की पहचान संत लाल व संदीप कुमार के रुप में हुई है। युवकों की निशानदेही पर मोबाइल फोन बरामद कर लिया गया है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफ़ोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 8814999173, 9253681005

महिला का पर्स छीनकर युवक फरार, केस

फतेहाबाद। टोहाना में पैदल जा रही महिला से अज्ञात युवक पर्स छीनकर फरार हो गया। इस बारे महिला द्वारा पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई गई है। पुलिस को दी शिकायत में भाटिया नगर टोहाना निवासी मनजीत कौर ने कहा है कि गत दिवस रात करीब 9 बजे वह जींद रेलवे स्टेशन से टोहाना आई थी। जब वह टोहाना रेलवे स्टेशन से भाटिया नगर की तरफ जा रही थी तो अनाज मण्डी गेट के पास एक युवक उसके पास आया और उसके हाथ से पर्स छीनकर फरार हो गया। पर्स में एक मोबाइल फोन, 8 हजार रुपये व अन्य कागजात थे। उसने शोर मचाकर युवक का पीछा भी किया लेकिन युवक भागने में कामयाब रहा। इस पर उसने इस बारे पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई। इस मामले में टोहाना पुलिस ने केस दर्ज कर युवक की तलाश शुरू कर दी है।

कार्यक्रम | हलके में विभिन्न गांवों में आईपीबी रास्तों का किया उद्घाटन

विकास व जनकल्याण को समर्पित है कांग्रेस: केहरवाला

ग्रामीणों ने विधायक केहरवाला का आभार जताते हुए कहा कि उन्होंने ग्रामीणों की मांग पर जिस तत्परता से इन रास्तों को पक्का बनवाने का कार्य किया है, उससे समूचे ग्रामीणों को काफी लाभ मिलेगा और आने जाने में काफी सुविधा होगी

हरिभूमि न्यूज, कालांवाली

- सड़कों के बनने से लोगों को राहत मिलेगी

कालांवाली के विधायक शीशपाल केहरवाला ने कहा कि कांग्रेस ही एकमात्र ऐसा राजनीतिक दल है जो पूरी तरह से विकास और जनकल्याण के प्रति समर्पित है।वे शनिवार को अपने कालांवाली हलके के विभिन्न गांवों में खेत खलिहान योजना के तहत बनाए गए आईपीबी रास्तों का उद्घाटन करने के दौरान ग्रामीणों को संबोधित कर रहे थे। लाखों की लागत से गांव दड़बी, थेड़ी बाबा सावन सिंह, गांव भावदीन व गांव नेजाडेला कलां में बने इन रास्तों के उद्घाटन किए जाने के दौरान ग्रामीणों ने विधायक केहरवाला का आभार जताते हुए कहा कि उन्होंने ग्रामीणों की मांग पर जिस तत्परता से इन रास्तों को पक्का बनवाने का कार्य किया है, उससे समूचे ग्रामीणों को काफी लाभ मिलेगा और आने जाने में काफी सुविधा होगी। वहीं विधायक ने कहा कि कालांवाली हलका उनका परिवार है और उनकी सुविधाओं का ध्यान रखना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि कालांवाली में ग्रामीणों का विकास सीधे तौर पर उनके सामाजिक जीवन से जुड़ा है और वे इसके लिए सदैव तत्पर हैं। इस अवसर पर विधायक शीशपाल केहरवाला के साथ गुरजिंद्र सिंह नरेलखेड़ा, धर्मेंद्र, जगनंदन सिंह, बलकरण सिंह, जसकरण सिंह व मोहनलाल फरवाई आदि अनेक गणमान्यजन मौजूद थे।

सिरसा। गांवों में आईपीबी रास्तों का उद्घाटन करते विधायक शीशपाल केहरवाला।

मातृ दिवस विशेष

मां के चरणों में बसती है मेरी दुनिया

इस दुनिया के हर रिश्ते में सबसे बड़ा दर्जा मां को दिया जाता है। मां और उसकी संतान का रिश्ता सबसे गहन और अनूठा होता है। हर हाल में अपनी संतान का सुख, उसका हित और उसकी खुशी की कामना करने वाली मां की छवि की उदात्तता असीम होती है। आज मातृ दिवस पर हम संकल्प करें कि मां को कभी कोई तकलीफ न हो, उसका साया, उसका आशीर्वाद हम पर सदैव बना रहे। यही इस दिवस की सार्थकता होगी।

आवरण कथा
डॉ. ओम निश्चल

जब कभी गीतकार प्रसून जोशी के लिखे और शंकर महादेवन के गाए मां को समर्पित गीत '...तुझे सब है पता, मेरी मां..' के बोल सुनाई पड़ते हैं तो हृदय भावनाओं से भर उठता है। जेहन में मां की तस्वीर उभर आती है। बच्चे का यह कहना, 'यूं तो मैं दिखलाता नहीं, तेरी परवाह करता हूं मैं मां...' सुन कर मन की आंखों को जैसे एक अजीब सी तृप्ति मिलती है। मां का संबंध ही कुछ ऐसा है। यह ऐसी शै है कि सारे वृक्षों से कागज तैयार किया जाए तो भी उस पर लिखी मां की महिमा कम पड़ जाएगी। जाने-माने कवि कैलाश वाजपेयी ने लिखा है, *अगर तुम्हें गर्भ में यह पता चलता/ जिस घर में तुम होने वाले हो, नमाज नहीं पढ़ता, वहां कोई यज्ञ होम कीर्तन नहीं होता/ कोई नहीं जाता रविवार को गिरिजाघर या ग्रंथपाठ में/ अगर तुम्हें यह पता चलता पेट के निदाघ और पर्व के हिसाब से अधेड़ बाप कभी बनाता है रंगीन कागज के ताजिए/ ईसा का तारा, कभी दुर्गा गणेश कभी अंधी ऊंचाई को थाहते सिर्फ आकाशदीप/ नीले हरे जोगिया/ अगर तुम्हें यह पता चलता/ तब तुम क्या करते/ क्या मां बदलते। (सूफीनामा)* कितने दार्शनिक अंदाज में कवि ने कह दिया कि मां से बच्चे का रिश्ता कितना अटूट है कि वह किसी भी हालत में बदला नहीं जा सकता।

मां की महिमा अवर्णनीय

दुनिया में यों तो रिश्ते-नातों की बड़ी लंबी परंपरा है। देखें तो हर इंसान एक-दूसरे से जुड़ा हुआ है, भावनाओं के स्तर पर, सामाजिक स्तर पर, सांस्कृतिक स्तर पर, भौगोलिक स्तर पर लेकिन जो खून के रिश्ते हैं, उनमें सबसे ज्यादा अहमियत मां को प्राप्त है। शास्त्रों में पृथ्वी को मां और आकाश को पिता कहा गया है। कभी रवींद्रनाथ ठाकुर ने यह कहा था कि *भगवान अभी बच्चों को धरती पर भेज रहा है, इसका अर्थ यह है कि अभी वह मानव जाति से निराश नहीं हुआ है और मानव जाति को जिस इकाई ने अपनी ममता, दया, करुणा और मोहब्बत से सबसे ज्यादा सींचा है, उसका नाम मां है।* देवताओं से लेकर संतों, महापुरुषों ने मां की महिमा बखान की है। मां के ऋण से एक बच्चा पूरे जीवन भर उऋण नहीं हो पाता। मां की इसी महिमा को स्मरण करने के लिए हर साल मई माह का दूसरा रविवार मातृ दिवस के रूप में मनाया जाता है। बच्चे अपनी मां के प्रति अपने लगाव, स्नेहिल प्रेम का इजहार करते हैं।

निःस्वार्थ होती है मां की ममता

शास्त्र कहते हैं, *माता भूमिः पुत्रोहं पृथिव्याः।* यानी, मां पृथ्वी है और हम सब उसके पुत्र हैं। एक पृथ्वी के रूप में मां जो दुख-दर्द सहती है, वह शायद और कोई दूसरा नहीं समझ सकता। शायर मुनव्वर राना अपनी एक गजल में कहते हैं, *बुलंदियों का बड़ा से बड़ा निशान छुआ, मां ने जो गोदी में उठाया तो आसमान छुआ।* इसका अर्थ यह है कि इंसान की उपलब्धियों और तरक्की के पीछे मां की दुआएं ही होती हैं। रिश्तों में यह मां ही है, जो अपनी संतानों के प्रति अपने दायित्व को नहीं भूलती। खुद रूखा-सूखा खाकर भी बच्चों की बेहतर परवरिश के लिए पूरा जीवन होम कर देती है, बिना किसी प्रत्याशा में कि यह बच्चा आगे चल कर उसके बुढ़ापे की लाठी बनेगा भी या नहीं। उसकी ममता निःस्वार्थ होती है। अकसर देखा जाता है कि मांएं अपने कमजोर बच्चों के प्रति अपेक्षाकृत अधिक दयावान होती हैं। यह तो उस बच्चे के प्रति न्याय है कि जो किसी कारणवश तरक्की की दौड़ में कहीं पीछे रह गया है, उसे मां विशेष तरजीह दे, सहारा दे, उसे संभलने में मदद करे। इस पर मुनव्वर राना ने तो एक गजल में यह तक कहा है, *मां अगर पागल भी है तो उसे गौर से देखिए अपने बच्चों के प्रति मोह-ममता नहीं छोड़ती। यह चीज उसे पागलपन में भी नहीं भूलती। खुदा ने यह सिफत दुनिया की हर औरत को बख्शी है/ कि वो पागल भी हो जाए तो बच्चे याद रहते हैं।*

मां में समायी होती है संतान की पूरी दुनिया

यह सही है कि आज रिश्ते-नातों से जुड़े हर संबंध को पैसों की तुला पर तोला जाता है। अगर मां के पास बच्चों को कुछ ठोस देने के लिए है तो उसके लिए इज्जत है। लेकिन अगर वह वृद्धावस्था में हैं या जीवन में अकेली पड़ गई हैं तो बहुत कम बच्चे ऐसे हैं, जो मां का सहारा बनते हैं या मां को अपने घर में आदर से रखते हैं और उसकी मोह ममता के प्रति सदैव कृतज्ञ बने रहते हैं। यह कृतज्ञता उनके लिए एक दिन का दिखावा नहीं होता, बल्कि यह उनके दैनंदिन संस्कार में शामिल रहती है। ऐसे भी बच्चे हैं, जो मां की हर पल की अनुपस्थिति को याद करते हुए जीते हैं। कवि यश मालवीय के शब्दों में, *किस तरह कैसे न पूछो। जी रहा बेटा सलोना। मां तुम्हारा नहीं होना।*

मां को देते रहें प्यार-सम्मान

मां की ममता, दया, करुणा, हृदय की विशालता की बहुत चर्चा होती है। वह होती है तो घर का दूसरा पर्याय होती है। वह नहीं होती तो उसकी कमी खलती रहती है। वह होकर भी और न होकर भी हमारे भीतर होती है। लेकिन क्या हम जीते जी मां को पहचान पाते हैं? उसके सुख-दुख से वास्ता रख पाते हैं? ऐसा सर्वथा नहीं होता। दुनिया इतनी स्वार्थी हो चुकी है कि कभी बूढ़ी स्त्री को किसी तीर्थ किसी अजाने स्टेशन पर छोड़ कर अपने दायित्व से मुक्ति पा लेती है। सच, कितनी बहुरंगी दुनिया हो चुकी है कि हर दिन को किसी न किसी के लिए मुकर्रर कर रखा है। जैसे कि उस एक दिन के अलावा उसकी कोई अहमियत ही न हो। मां के लिए भी एक दिन मुकर्रर है। पर मां तो हर दिन मां है, वह है भी तो, नहीं भी है तो भी। जरूरत है मां को प्यार दिया जाए। उसे सम्मान दिया जाए। इसलिए मां जब तक हमारे बीच हैं, उस ममतामयी मूर्ति का ध्यान रखें। आज मातृ दिवस पर आइए मां को स्मरण करें। उनके साथ समय बिताएं। उनसे बचपन के किस्से व कहानियां सुनें और उसे जताएं कि मां हम आज भी तुम्हें कितना स्नेह करते हैं, कितना आदर करते हैं। *

कुछ मांएं क्यों रह जाती हैं उपेक्षित

मां की महिमा का कितना गुणगान किया जाता है, फिर भी जैसे-जैसे समाज पूंजीपरस्त होता जा रहा है, दुनिया में धन-दौलत का बोलबाला बढ़ता जा रहा है, वैसे-वैसे ही हमारे दिलों की दुनिया संकीर्ण होती जा रही है। एक जमाना था, मांएं अपने छह-सात बच्चों को एक साथ पाल-पोस कर बड़ा करती थीं और उन्हें शिक्षा-दीक्षा दिलाते हुए जीवन की सच्ची राह दिखाती थीं। लेकिन आज की उत्तरोत्तर छोटी होती दुनिया और एकल होते परिवारों में उसकी जगह नहीं है या उसकी जगह कम पड़ती जा रही है। आज स्थिति यह है एक मां के साथ उसके छह-सात बच्चे एक साथ रह सकते हैं लेकिन किसी एक बच्चे के परिवार के साथ मां-पिता का रहना मुश्किल हो जाता है। इसलिए आज जो स्थिति है, उसमें मांएं निरंतर अकेली हो रही हैं। हाल के वर्षों में एकल मांओं की संख्या बढ़ी है। पति-पत्नी के बीच खट्टे होते संबंधों के इस दौर में कितनी मांए अपने बच्चों के साथ अकेले रहने को विवश हैं। ऐसे संकीर्ण वातावरण में मातृ दिवस हर साल मां के महत्व को याद दिलाने के लिए आता है और सोशल मीडिया मां की ममता और मां के सम्मान की पोस्टों से भर जाते हैं। ऐसे लगता है मां के प्रति इस समाज में कितना प्यार और कृतज्ञता है। ऐसी स्थिति में हर साल मातृ दिवस आकर फिर हमें एक बार झकझोरता है कि क्या मां के प्रति प्रेम हमारे भीतर बचा हुआ है, हम स्वतः मां के प्रति अपने दायित्व से जुड़े हैं या हम समाज के रवायत के रूप में उसके प्रति मोहब्बत और आदर का दिखावा मात्र कर रहे हैं?

जुड़ाव
डॉ. अनिता राठौर

यह सही है कि जीवन के अधिकांश काम करने में सक्षम डिजिटल वर्ल्ड के इस दौर में दुनिया भर में किसी को हम अपना दोस्त बना सकते हैं, नया रिश्ता जोड़ सकते हैं। लेकिन मां-बच्चे का रिश्ता और आपसी जुड़ाव इससे परे होता है। ऐसा होने की क्या वजहें हैं...

मां-बच्चे का रिश्ता सबसे गहन-सबसे अनूठा

आज के दौर में डिजिटल दुनिया हमारी लगभग हर समस्या का तुरंत एक रेडीमेड विकल्प मुहैय्या कराती है। यह दोस्ती के लिए सोशल नेटवर्क देती है। जानकारी पाने के लिए गूगल उपलब्ध कराती है। मनोरंजन के लिए यू-ट्यूब है। इसके पास हमारी हर तरह की भावना के लिए, हर तरह की जरूरत के लिए कोई न कोई विकल्प होता है। लेकिन इसके पास मां का कोई विकल्प नहीं है।

अद्वितीय होती है मांः मां का रिश्ता किसी लैंग्वेज बाइनरी से नहीं, किसी पिक्सल या डिजिट से नहीं, सीधे-सीधे दिल से जुड़ा होता है। मां हमें बिना शर्त प्यार करती है, जबकि सोशल मीडिया का सारा संतुलन, इसका सारा गणित लाइक और फॉलो जैसी शर्तों पर टिका होता है। मां शायद दुनिया में अकेली ऐसी शख्स होती है, जो अपने बच्चों के हर तरह के कष्टों को, हर तरह की तकलीफ को बिना उनके एक शब्द बताए जान लेती है। सोशल मीडिया तो हमारा तब नोटिस लेता है या नोटिस करता है, जब हम पोस्ट डालते हैं। जबकि मां हमें हमेशा लाइक करती है, हर हाल में प्यार करती है, अपनी हर सांस में हमारे लिए दुआएं करती है। मां हमें कभी एडिटेड वर्जन में नहीं चाहती या समझती। हम जैसे हैं, वैसे ही मां के सबसे प्यारे, सबसे लाडले होते हैं। इसीलिए मां का डिजिटल डिस्कोर्स में कोई विकल्प नहीं है।

हर तर्क से परे रिश्ताः मां का रिश्ता समय, ट्रेंड या टूल्स से परे होता है। मां का वो रिश्ता, जो महसूस किया जाता है, उसे किसी भी दुनियावी कैटेगिरी में नहीं डाल सकते। सोशल मीडिया पर लोग इसीलिए कभी मां के जैसे रिश्ते नहीं तलाशते, क्योंकि मां का रिश्ता किसी विश्वास भर से नहीं होता। मां का रिश्ता कुदरती होता है। कभी किसी को यह एहसास भी नहीं होता कि मां की किसी बात पर अविश्वास भी किया जा सकता है। मां का रिश्ता एक समर्पण है, उसमें किसी तरह का समीकरण तलाशना या किसी किस्म का तर्क तलाशना, उसे बहुत छोटा करना है। मां का रिश्ता हर तरह के तर्क से ऊपर होता है, यह समर्पण में पलता है और त्याग से फलता है। जबकि सोशल मीडिया पर हम अकसर दिखावा, मनोरंजन या महज त्वरित जुड़ाव चाहते हैं। जबकि मां के रिश्ते में स्वतः धैर्य, गहराई और निःस्वार्थतता होती है, जो कभी किसी क्लिक या पोस्ट से नहीं मिल सकता। इसलिए कहते हैं, मां वो प्यार की किताब है, जिसे पढ़ने के लिए इंटरनेट नहीं धड़कता हुआ दिल चाहिए।

जैविक जुड़ाव से आती है गहनताः मां के रिश्ते की बायोलॉजी को अगर समझें तो स्पष्ट होगा कि आखिर वह दुनिया के बाकी सभी रिश्तों से इतनी भिन्न क्यों होती है? मां का रिश्ता इसीलिए सबसे अलग होता है, क्योंकि इसके पीछे की बायोलॉजी कुछ और ही है। दरअसल, मां और उसके बच्चों के बीच जिस तरह का अटूट भावनात्मक रिश्ता होता है, वह किसी परवरिश, किसी समझदारी या ज्ञान से नहीं आता। ऐसे रिश्ते की अपनी एक जैविकता या बायोलॉजी होती है। अगर इस रिश्ते के सबसे मजबूत और सबसे भिन्न पहलू को जानें तो वो होता है, मां और उसके बच्चे के बीच मौजूद गर्भनाल का रिश्ता। मां और शिशु एक अंबिलिकल कॉर्ड से आपस में जुड़े हाते हैं, इसी कॉर्ड या नली के जरिए नौ महीने तक मां के पेट में पल रहा बच्चा, मां के खून से, मां की सांसों, मां के खाए गए खाने से, मां की खुशियों से, मां की परेशानियों से बनता है। शिशु के अंदर जो भी कुछ होता है, नौ महीने तक वह सिर्फ और सिर्फ मां का होता है। उसमें दुनिया की, कुदरत की कोई भी अलग से हिस्सेदारी नहीं होती। मां के खून से ही शिशु को ऑक्सीजन मिलती है, शिशु को पोषण मिलता है। इसलिए मां और उसके बच्चे के बीच के रिश्ते को दुनिया के किसी भी रिश्ते से साझा नहीं किया जा सकता। किसी भी रिश्ते से इस रिश्ते की तुलना नहीं हो सकती। क्योंकि यह कोई रिश्ता है ही नहीं, यह एक जिस्म के दो हिस्से हैं। यह साझी धड़कनों का रिश्ता है। यह ऐसा रिश्ता है, जिसको एक-दूसरे से अलग नहीं किया जा सकता। गर्भावस्था में मां के शरीर में ऑक्सीटोसिन हार्मोन ज्यादा बनता है। यही हार्मोन लगाव और प्रेम पैदा करता है। इसी से मां और उसकी संतान के बीच ताउम्र एक गहरा जुड़ाव और अटूट संबंध बनता है। *

कविता / सरस्वती रमेश

मां की उपस्थिति

मां तुम्हारी उपस्थिति से
घर को नया अर्थ मिलता है
रिश्तों को ऊष्मा
परिवार को स्नेह
ममता की आंच पर
रसोई में पकते हैं
संतुष्टि के नए आयाम
भूख और भोजन का रिश्ता
भावना और अहसास सा
कोमल हो जाता है
और भोजन का हर निवाला
प्रसाद सा पवित्र

मां तुम्हारे होने से
घर का हर कोना
सजीव हो उठता है
तुम्हारे प्यार की गर्माहट
बिखरी रहती है हर तरफ
जीवन की कड़ी धूप में
तुम्हारे आंचल का साया
घना और शीतल आश्वासन है
कि तुम्हारे होने भर से
मुश्किलों के पहाड़
बौने और कमजोर
पड़ जाते हैं।

छोटी कहानी / शीला श्रीवास्तव

तरकीब

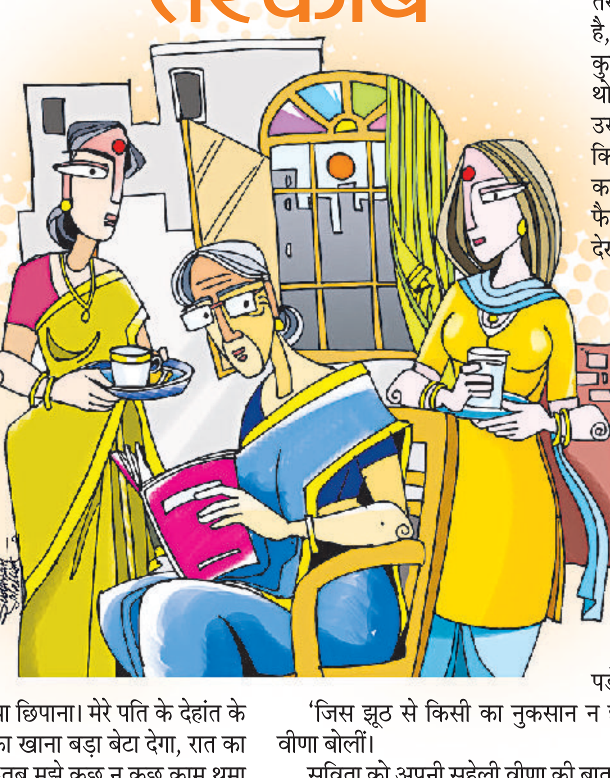

मां जी यह लीजिए मटर, फटाफट छील दीजिए। राहुल को मटर की कचौड़ी खानी है।' बड़ी बहू अपनी सास को मटर की थैली थमाते हुए बोली। सविता जी जल्दी-जल्दी मटर छीलने लगीं। जैसे ही मटर छीलने काम खत्म हुआ, छोटी बहू चावल बिनने के लिए थाली थमा गई। सविता जी का सारा समय दोनों बहुओं के दिए हुए काम में ही बीत जाता था। दो पल सुकून की सांस लेना भी उनके नसीब में नहीं था, जबकि दोनों बहुएं अपने-अपने काम से निवृत्त होकर दोपहर की नींद भी ले लेती थीं। पड़ोस में रहने वाली उनकी हमउम्र सहेली वीणा जब भी आतीं, सविता जी को काम करते देखतीं। आज उनसे रहा नहीं गया, उन्होंने कह ही दिया, 'यह क्या सविता? जब देखो तब काम में लगी रहती हो। यह कोई उम्र है काम करने की, सत्तर की हो चली हो तुम।'

'क्या करूं वीणा, मजबूरी है। मैं भी चाहती हूं कि जिंदगी की आखिरी पड़ाव में भगवान में मन लगाऊं।' सविता जी लाचारगी भरे स्वर में बोलीं। 'क्या तुम्हारी बहुएं बिना काम किए तुम्हें खाना नहीं देतीं?' वीणा ने पूछा। 'अब तुमसे क्या छिपाना। मेरे पति के देहांत के बाद दोनों बेटों ने आपस में तय कर लिया, दिन का खाना बड़ा बेटा देगा, रात का खाना छोटा बेटा। इसके एवज में दोनों बहुएं जब-तब मुझे कुछ न कुछ काम थमा देती हैं।' कहते हुए सविता जी के नेत्र सजल हो उठे।

वीणा कुछ सोचते हुए बोली, 'अच्छा बताओ, यह घर किसके नाम पर है?'

'घर तो मेरे नाम है।' सविता जी ने बताया।

'फिर तो कोई टेंशन ही नहीं है। एक तरकीब है मेरे दिमाग में। मेरा एक भतीजा है, जो वकील है। मैं उसे तुम्हारे पास सब कुछ समझा कर भेज दूंगी। तुम बस उससे थोड़ी-बहुत इधर-उधर की बातें करना। उसके जाने के बाद दोनों बहुओं से कहना कि अब मेरी उम्र हो गई है। मुझसे ज्यादा काम-धाम नहीं होता, इसलिए मैंने फैसला किया है कि जो बेटा-बहू मेरी देखभाल अच्छे से करेगा, यह घर में उसके नाम कर दूंगी।' वीणा ने अपनी सहेली को समझाया।

'लेकिन वीणा, यह तो दूसरे बेटे के साथ अन्याय नहीं होगा?' सविता जी एक कसक लिए बोलीं।

'तुम्हें बस यह बात अपने बहू-बेटों के कानों में डालनी है, जो मैंने कही है। घर तो दोनों बेटों के नाम पर ही होगा, दुखी मत हो। सूझ-बूझ से काम लो। बस तुम्हारे बचे हुए दिन आराम से निकल जाएंगे।' वीणा मुस्कराते हुए बोलीं।

'यानी कि मुझे झूठ का सहारा लेना पड़ेगा।' सविता जी हिचक रही थीं।

'जिस झूठ से किसी का नुकसान न हो, वह झूठ बोलने में हर्ज क्या है?' वीणा बोलीं।

सविता को अपनी सहेली वीणा की बात समझ में आ गई। उन्होंने ठीक वैसा ही किया। अब दोनों बहुओं में सविता जी की सेवा करने की होड़-सी लग गई। काम से छुटकारा मिला सो अलग से। सविता जी मन ही मन वीणा बहन का शुक्रिया अदा कर रही थीं, जिनकी तरकीब की वजह से उनका बुढ़ापा सुखमय हो गया था। *

विज्ञापन.......

इंजेक्शन की नवीन तकनीक से स्पाइन रोगों का उपचार

सर्जरी के बिना ही सिर्फ इंजेक्शन तकनीक के जरिये स्पाइन (रीढ़) रोगों का बेहतर और विश्वसनीय उपचार विश्वविख्यात डॉ. प्रमोद पहारिया द्वारा ग्वालियर में हो रहा है। आईये जानते हैं इस तकनीक के असाधारण लाभ–

मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश ने डॉ. प्रमोद पहारिया को प्राईड ऑफ एम.पी. अवार्ड दिया।

इस ट्रीटमेंट की कितनी बार आवश्यकता होती है?
सिर्फ एक ही बार पर्याप्त है।

सर्जरी की अपेक्षा इस तकनीक के क्या फायदे हैं?
सर्जरी के दौरान पैरालिसिस, पैलाप्लेजिया, ब्लैडर एवं बोवेल के कंट्रोल में क्षति, पैरों में कमजोरी, इंफेक्शन, इंप्लांट फैलियर जैसे जो कॉम्पिलकेशन देखने को मिलते हैं, वैसा इसमें खतरा नहीं है।

किन मरीजों का इलाज इस तकनीक से संभव है?
डिस्क प्रोलेप्स जैसे L4-L5, L5-S1, साइटिका, लंबर या सर्वाइकल रेडीक्युलोपैथी, डिजरनेरेटिव डिस्क, फैसिट जॉइन्ट सिंड्रोम, माइलोपैथी, लंबर कैनाल स्टेनोसिस, स्पॉन्डिलाइटिस आदि में कारगर है।

जो रोगी ऑपरेशन करवा चुके हैं उसमें भी यह कारगर है ?
यदि ऑपरेशन के बाद दबाव बना रहता या दोबारा दबाव आ जाता है तो उसमें भी यह तकनीकी कारगर है।

किस उम्र के लिये यह चिकित्सा है?
15 से 85 वर्ष के मरीजों के लिये।

एक डिस्क लेवल के ट्रीटमेंट में कितना खर्च आता है?
स्पाइन सर्जरी में जहां 3 लाख तक का खर्चा आता है वहीं यह उपचार मात्र 20000 तक में हो जाता है। विदेशों में इसका खर्च 50 गुना तक है।

कितने समय में रोगी घर जा सकता है?
एक घण्टे बाद ही घर जा सकता है। जबकि सर्जरी में 3 माह तक रोगी को अपने काम से अलग रहकर आर्थिक क्षति उठाना पड़ती है।

इस ट्रीटमेंट की सफलता की दर कितनी है?
90 से 95% सफल है। अब तक लगभग 7,500 मरीज हमेशा के लिए ठीक हो चुके हैं। यह इंजेक्शन प्रॉब्लम साइट में लगाया जाता है।

इस ट्रीटमेंट का असर कब तक रहता है?
इसमें जड़ से इलाज होता है।

क्या यह स्टेरॉइड इंजेक्शन है?
नहीं, यह एक भ्रम है। यह एक सेफ अमेरिकन प्रोसीजर है, जो एक **विशेष मशीन** की निगरानी में किया जाता है।

NBC@

डॉ. प्रमोद पहारिया
स्पाइन सर्जन
MBBS, D.Ortho, DNB, M.Ch. (Ortho)
पूर्व सर्जन– सर गंगाराम हॉस्पिटल एवं इंडियन स्पाइनल इंज्यूरी सेन्टर, नई दिल्ली
देहली हॉस्पीटल, ओल्ड श्री टॉकीज, बारादरी, मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)
समय: दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक
व्हाट्सएप पर रिपोर्ट भेजकर ही संपर्क करें
सम्पर्क – 7354858466 | www.nonsurgicalspinecentre.in

सांस्कृतिक आयोजन / धीरज बसाक

माउंट आबू में कल से शुरू हुआ समर फेस्टिवल, कई मायने में बहुत अलग और बहुरंगी आयोजन है। इसमें राजस्थान के सिर्फ अतीत की ही झांकी नहीं दिखाई जाती बल्कि यहां की लोक संस्कृति, शिल्प, संगीत और व्यंजनों को भी बहुत करीने से पेश किया जाता है, ताकि यहां आने वाले सैलानी राजस्थान की लोक संस्कृति के रंगों को करीब से महसूस कर सकें।

माउंट आबू समर फेस्टिवल
नेचर के करीब कला के रंग

राजस्थान के एकमात्र हिल स्टेशन माउंट आबू में हर साल बुद्ध पूर्णिमा के समय आयोजित होने वाला तीन दिवसीय 'माउंट आबू समर फेस्टिवल' लय और ताल की एक ऐसी सरगम रचता है, जिसमें शामिल होकर अलग ही आनंद की अनुभूति होती है। इस साल यह आयोजन कल आरंभ हो चुका है और कल यानी 12 मई को समाप्त होगा।

होते हैं कई आयोजन: माउंट आबू के इस विशेष बहुरंगी कार्निवल में लोकनृत्य, संगीत, रंग-बिरंगे जुलूस और एक से बढ़कर एक रोमांचक प्रतियोगिताएं देखने को मिलती हैं। इस तीन दिवसीय उत्सव में एक से बढ़कर एक कई आकर्षक आयोजन होते हैं। जैसे माउंट आबू की गोद में स्थित खूबसूरत नक्की झील में होने वाली नौका दौड़। इसके अलावा स्केटिंग रेस, मटका फोड़ प्रतियोगिता, रस्साकशी और रंग-बिरंगे जुलूस के साथ हर शाम समां बांधने वाली शाम-ए-कव्वाली कार्यक्रम भी आयोजित होते हैं। राजस्थानी संस्कृति, आदिवासी रीति-रिवाजों और लोकरंगी परंपराओं के फ्यूजन का जो नजारा माउंट आबू समर फेस्टिवल में दिखता है, वैसा लोकधर्मी आनंदोत्सव शायद ही कहीं और देखने को मिलता हो।

मिलता है अनोखा अनुभव: माउंट आबू समर फेस्टिवल, राजस्थान के सबसे मशहूर सांस्कृतिक उत्सवों में से एक है, जो अपने आपमें राजस्थानी लोकसंस्कृति का सबसे बड़ा प्रतीक है। मई के महीने में जब राजस्थान ही नहीं बल्कि समूचे उत्तर भारत का मैदानी हिस्सा तप रहा होता है, तब मरु प्रदेश का यह एकमात्र हिल स्टेशन यहां आने वाले सैलानियों को गर्मी की तपिश से जीवंत ताजगी का अनुभव प्रदान करता है।

गर्मी में ताजगी का एहसास: यह कहना गलत नहीं होगा कि यह ग्रीष्मोत्सव, यहां आए सैलानियों को मानसून के पहले कला और संस्कृति की आनंदमय बारिश में भीगने का सुकून देता है। माउंट आबू के मनोरम नजारे, शांत झीलें एक ऐसा वातावरण रचती हैं, जो इस उत्सव में चार चांद लगा देती हैं। यह पारंपरिक राजस्थानी संगीत का आनंदोत्सव है, जो अपनी रग-रग में राजस्थान के आदिवासी जीवन और संस्कृति का परिचय देता है।

हर साल बुद्ध पूर्णिमा के समय आयोजित होने वाला यह फेस्टिवल पहाड़ी क्षेत्र के लोगों की चमक और उनके मेहनत, मशक्कत भरे जीवन में रंग-बिरंगी खुशबुओं का खजाना पेश करता है। युवा इस उत्सव में न सिर्फ सांस्कृतिक गतिविधियों में उत्साह से भाग लेते हैं, बल्कि नाचते-गाते, तरह-तरह के व्यंजनों का लुत्फ उठाते और उत्सव का आनंद लेते हैं।

दिखती है सांस्कृतिक झलक: राजस्थान का यह समर फेस्टिवल, भले प्रदेश के बहुत सारे समर फेस्टिवल्स में से एक हो, लेकिन इसमें प्रदेश के संपूर्ण सांस्कृतिक परिदृश्य की झलक दिखती है। इस लोकोत्सव में गवरी, घूमर, गेर, डांडिया जैसे कई तरह के लोकनृत्य प्रस्तुतियां देखने को मिलती हैं। साथ ही यहां हर शाम सूफी परंपराओं का एक ऐसा नजारा, भजन और कव्वाली के रूप में सामने आता है, जिसकी भव्यता का अनुमान इस फेस्टिवल में शामिल हुए बिना नहीं की जा सकती है। राजस्थान की लोकलुभावन पारंपरिक लोकसंस्कृति से इतर, यह कार्यक्रम बिल्कुल एक अलग आध्यात्मिकता के धवल रंग में डूबा माहौल रचता है, जहां लोग भक्ति और अध्यात्म के अलग स्तर का अनुभव करते हैं।

नायाब शिल्प का आकर्षण: माउंट आबू समर फेस्टिवल, राजस्थानी हस्तशिल्प और लोककलाओं का भी नायाब मंच है। इस फेस्टिवल में इस मरुधरा के विभिन्न हिस्सों से आए शिल्पकार अपनी कलाकृतियों के उत्कृष्ट नमूने पेश करते हैं। ऐसे में ये जहां आनंद का उत्सव है, वहीं कला का एक विहंगम मंच भी है।

जायकेदार व्यंजनों का मजा: राजस्थान के किसी भी दूसरे लोकोत्सव की तरह यहां भी सैलानी, स्थानीय व्यंजनों का स्वाद भी ले सकते हैं। वैसे भी कहा जाता है, जहां राजस्थानी लोकरंग होंगे, वहां सबसे यादगार तो जायके का रंग ही होगा। इसलिए माउंट आबू समर फेस्टिवल, खासतौर पर गट्टे की सब्जी, मिर्ची बड़ा और दाल-बाटी-चूरमा के लिए सैलानियों के बीच खूब प्रसिद्ध है। इस फेस्टिवल में राजस्थान के हर कोने में बनने वाली तीन दर्जन से ज्यादा राजस्थानी मिठाइयां चखने का भी मौका मिलता है।

बड़ी तादाद में जुटते हैं सैलानी: माउंट आबू समर फेस्टिवल, इतना बहुरंगी होता है कि जो भी सैलानी एक बार यहां आता है, वो बार-बार यहां आना चाहता है। यही कारण है कि हर गुजरते साल के साथ माउंट आबू महोत्सव, देशी-विदेशी सैलानियों का बहुत बड़ा मिलनोत्सव भी बन चुका है। हर साल इस फेस्टिवल में यहां देश-विदेश के कई लाख सैलानी आते हैं, जिनमें सबसे ज्यादा गुजरात, पंजाब, दक्षिण भारतीय राज्यों, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र के लोग होते हैं। वहीं विदेशी सैलानियों में बड़ी तादाद यूरोपीय देश के सैलानियों की होती है। साल दर साल विदेशी पर्यटकों की संख्या बढ़ती जा रही है। क्योंकि पिछले कुछ सालों से इसकी लोकप्रियता बहुत बढ़ गई है।*

सेल्फ इंप्रूवमेंट / विवेक कुमार

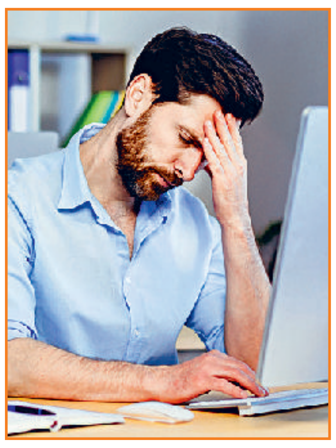

अगर तमाम कोशिशों के बाद भी आप मनचाही प्रोग्रेस नहीं कर पा रहे हैं तो सेल्फ एनालिसिस करें, कहीं आप वीक कॉन्फिडेंस पर्सनालिटी के शिकार तो नहीं? इस बारे में हम दे रहे हैं यूजफुल सजेशंस।

आपकी प्रोग्रेस में बाधक है
वीक कॉन्फिडेंस पर्सनालिटी

वीक पर्सनालिटी उनकी होती है, जिनका सेल्फ रेस्पेक्ट कम होता है, जिनमें कॉन्फिडेंस की कमी होती है और जो हमेशा दूसरों से प्रभावित होते हैं। ऐसे लोगों के रिश्तों पर भी इसका हमेशा नकारात्मक असर होता है। इनकी आवाज में भी हमेशा आत्मविश्वास की कमी झलकती है। वे अपने निर्णयों के प्रति अनिश्चित होते हैं। वे जो निर्णय लेते हैं, उसमें हर समय बदलाव करते रहते हैं। इसके विपरीत एक स्ट्रॉन्ग पर्सनालिटी वाला व्यक्ति इन गुणों से अलग होता है। ऐसा व्यक्ति अपने आपको जिस तरह से पेश करता है, वो अंदाज ही इंप्रेसिव लगता है। वह अपनी बात मजबूती और विश्वास से सामने रखता है। इसीलिए उसका लोग सम्मान करते हैं और उसे अधिकतर लोग पसंद करते हैं।

वीक कॉन्फिडेंस वाला आदमी सबकी हां में हां मिलाता है। वह जीवन को जिस ढंग से जीता है, उसके प्रति ही आश्वस्त नहीं होता। इसलिए वह दूसरों के तरीकों को सुनता है और उनका अनुसरण करता है। जो दूसरे कहते हैं, वही करता है। एक व्यक्ति के रूप में उसको अपने आप पर भरोसा नहीं होता। ऐसे लोगों में यहां बताए जा रहे गुण भी होते हैं। इन कमियों को दूर करके ही प्रोग्रेस की जा सकती है।

चुनौतियों से बचते हैं: ऐसे लोग संघर्ष और मुश्किलों से डरते हैं या कहें बचते हैं। वे अपने को इन कंडीशंस से बचाते हैं और चुनौती समाप्त होने की प्रतीक्षा करते हैं।

दूसरों को खुश करते हैं: वीक कॉन्फिडेंट व्यक्ति हमेशा दूसरों पर निर्भर रहते हैं, वे खुद को खुश करने की बजाय दूसरों को खुश करते हैं, जो व्यक्ति आत्मविश्वास से भरे होते हैं, वे हमेशा खुद को बेहतर बनाने और अपने जीवन को जितना संभव हो, उतना आसान और स्वतंत्र बनाने के तरीके खोजते रहते हैं।

दूसरों को महत्व देते हैं: कमजोर लोग खुद को लेकर इनसिक्योर होते हैं और वे हमेशा उन लोगों पर निर्भर रहते हैं, जिन्हें वे हमेशा पूर्ण मानते हैं। एक सफल व्यक्ति बनने के लिए आपको हमेशा निडर और मजबूत होना चाहिए। डर का सामना करना चाहिए और अपने भीतर आत्मविश्वास जगाना चाहिए।

नहीं होते ज्यादा दोस्त: लो कॉन्फिडेंट लोगों के ज्यादा और समझदार दोस्त नहीं होते हैं। वे अपने जैसे कमजोर लोगों से ही घिरे रहते हैं। असली भाईचारा किसी को आगे बढ़ने में मदद देने के साहस के साथ आता है और वो साहस ही है, जिसकी एक व्यक्ति को जरूरत होती है न कि किसी कमजोर आत्मविश्वास वाले व्यक्ति की। सफलता के लिए आपको तेज दिमाग और आत्मविश्वास से भरपूर लोगों के बीच रहने की जरूरत होती है, जो आगे बढ़ने में आपकी मदद करें।

नहीं ले पाते फैसले: लो कॉन्फिडेंट लोग अपने जीवन के छोटे हों या बड़े फैसले आसानी से नहीं ले पाते हैं। हर फैसले के लिए उनको दूसरों के सलाह और सहायता की जरूरत होती है। ऐसे लोग बड़ी उपलब्धि हासिल नहीं कर पाते हैं। इसलिए खुद में डिसीजन मेकिंग की पावर डेवलप करना बहुत जरूरी है।

कमजोर होती है आवाज: किसी व्यक्ति की आवाज और उसके बोलने का अंदाज बताता है कि वह कमजोर आदमी है या मजबूत आदमी। वे खुद पर भरोसा नहीं दिखाते और आमतौर पर दूसरों द्वारा इग्नोर किए जाते हैं। आत्म जागरूकता की कमी के कारण ऐसे लोग अपने पर विश्वास नहीं करते इसलिए खुलकर अपनी बात नहीं रख पाते हैं। कमजोर आदमी को उसके आवाज के लहजे से पहचानना आसान है। जब आप लोगों से बात करते हैं तो आत्मविश्वास दिखाना यह दर्शाता है कि आपको खुद पर दृढ़ विश्वास है।

सीखने से बचते हैं: जो आदमी सीखने का इच्छुक होता है, वह आत्म सुधार को महत्व देता है। ऐसा गुण कोई कमजोरी नहीं दिखाती, निरंतर सीखना आपके जीवन की सबसे महत्वपूर्ण आदत है और यह रोजमर्रा के जीवन में शामिल होना चाहिए। रोज सीखने से आपके जीवन के लिए एक स्पष्ट उद्देश्य विकसित होता है और आपके आस-पास की हर चीज को अर्थ मिलता है। लेकिन वीक पर्सनालिटी वाले लोग नई स्किल्स को सीखने और ज्ञान को अपनाने से इंकार करते हैं। यही इनकी सबसे बड़ी कमजोरी होती है। ऐसे लोग कम ज्ञान का भी बहुत ज्यादा दिखावा करते हैं। वहीं स्ट्रॉन्ग पर्सनालिटी वाला व्यक्ति हमेशा सीखने को तैयार रहता है। कहने का सार यही है कि अगर आपकी पर्सनालिटी में कॉन्फिडेंस की कमी है तो उसे दूर किया जा सकता है, अपनी पर्सनालिटी को स्ट्रॉन्ग बनाया जा सकता है।*

प्राकृतिक धरोहर / शिवचरण चौहान

सिंधु नदी को गंगा नदी के समान ही पूज्य और जीवनदायिनी माना जाता है। इन दिनों चर्चित सिंधु नदी से जुड़े महत्वपूर्ण तथ्य जानिए, जिससे आप इसकी महत्ता को बेहतर ढंग से समझ पाएंगे।

भारत की प्राचीनतम भव्य-दिव्य सिंधु नदी

भारत की प्राचीनतम नदियों में से एक सिंधु नदी, दुनिया की सबसे लंबी नदियों में भी शामिल है। इस नदी का उल्लेख दुनिया के प्राचीनतम ग्रंथ 'ऋग्वेद' में भी मिलता है। इसके बारे में ऋगवेद में कहा गया है कि यह अत्यंत वेगवान नदी है। प्राचीन भारतीय इतिहास एवं संस्कृति को समझने के लिए सिंधु घाटी सभ्यता का अध्ययन आवश्यक माना जाता है। एक पूरी सभ्यता का नामकरण जिस नदी के नाम पर हुआ है, इतिहास में उस नदी की महत्ता को सहज ही समझा जा सकता है।

प्राचीन ग्रंथों में उल्लेख: ऋग्वेद सहित अन्य तीनों वेदों में भी सिंधु नदी का उल्लेख तीस बार से भी अधिक आया है। वाल्मीकि कृत 'रामायण' में सिंधु का उल्लेख महानदी के रूप में मिलता है। 'महाभारत' और कालिदास कृत 'रघुवंशम' आदि ग्रंथों में सिंधु की पवित्रता का बखान किया गया है। ऋग्वेद में कहा गया है कि कैलाश शिखर से तीव्र वेग से नीचे गिरने वाली सिंधु नदी के गर्जन की ध्वनि आसमान तक गूंजती है। सिंधु की तुलना एक गरजते हुए वृषभ (बैल) से की गई है। लेह-लद्दाख के प्राकृतिक सौंदर्य और सिंधु का कलकल स्वर बरबस ध्यान खींच लेते हैं।

तट पर हुई सभ्यता विकसित: हजारों साल पहले इसी सिंधु नदी के किनारे बड़े-बड़े नगर, गांव कस्बे बसे हुए थे। खुदाई में इनके अवशेष मिले हैं। जिनसे प्राचीन सभ्यता का अनुमान लगाया गया है। सिंधु घाटी सभ्यता यहीं इसी नदी के तट पर पनपी थी।

नदी का उद्गम: सिंधु नदी, हिमालय से दक्षिणी पश्चिमी तिब्बत, मानसरोवर के कैलाश पर्वत के पास सिन का बाब ग्लेशियर से निकलती है। 16 हजार फीट ऊंचे उद्गम स्थल से निकलने के बाद यह नदी लद्दाख में देमचोक के निकट भारत भूमि में प्रवेश करती है। कुछ और नीचे उतरने पर श्योल, शिग, हुंजा, गिलगित आदि नदियां सिंधु में मिल जाती हैं। इस तरह सिंधु नदी, भारत में हिमालय से तिब्बत के पास एक ग्लेशियर से निकल कर पाकिस्तान के कराची शहर के पास अरब सागर में गिरती है। सतलज, रावी, चिनाब, झेलम आदि नदियां सिंधु की ही सहायक नदियां हैं। सिंधु नदी की लंबाई लगभग 2880 किलोमीटर है।

सिंधु दर्शन कार्यक्रम: भारत सरकार ने सिंधु की प्राचीनता, सभ्यता और संस्कृति को रेखांकित करने के लिए, देश और विदेश के लोगों को इस नदी और इसकी सांस्कृतिक महत्ता को बताने के लिए सिंधु दर्शन कार्यक्रम की शुरुआत वर्ष 1998 में की थी। अपने प्रधानमंत्री पद के कार्यकाल में अटल बिहारी बाजपेयी ने सिंधु दर्शन कार्यक्रम शुरू किया था। प्रत्येक वर्ष जून माह में लेह स्थित सिंधु नदी के तट पर सिंधु दर्शन कार्यक्रम संपन्न होता है। सिंधु तट पर बौद्ध अध्ययन संस्थान तथा सिंधु सांस्कृतिक केंद्र स्थापित किया गया है। सिंधु दर्शन कार्यक्रम जातीय एकता, सामुदायिक सौहार्द को बढ़ाने के साथ सिंधु नदी, सभ्यता संस्कृति को आदर देने का प्रतीक है।

सिंधु तट पर आयोजित सिंधु दर्शन कार्यक्रम की झलक

डाक टिकट किया गया जारी: डाक विभाग ने पवित्र नदी सिंधु की महत्ता प्रतिपादित करने तथा सिंधु दर्शन कार्यक्रम का प्रचार करने के लिए तीन रुपए मूल्य का एक बहुरंगी विशेष डाक टिकट जारी किया है। डाक टिकट में उतुंग पर्वत श्रेणियों से बहती सिंधु के प्राकृतिक स्वरूप का चित्रण किया गया है तथा इनसेट में वृषभ मुद्रा तथा ऋगवेद की एक पंक्ति अंकित है। दरअसल, सिंधु घाटी के साथ ही मोहन जोदड़ों तथा हड़प्पा की सभ्यता की खुदाई में जो सिक्के मिले हैं, उनमें वृषभ (बैल) के चित्र बने हैं। उस सभ्यता में गाय और बैल पूज्यनीय माने जाते थे। बैल ही कृषि का तथा परिवहन का मुख्य आधार थे। सिंधु घाटी सभ्यता की बहुत सी जानकारी अभी खोजी जा रही है।*

मां हर इंसान के जीवन में बहुत ही महत्वपूर्ण स्थान रखती हैं। हमारी फिल्मों में भी मां की भूमिका और उनके महत्व को बहुत ही सशक्त ढंग से उभारा गया है। फिल्मों में मां की भूमिका को कई अभिनेत्रियों ने अपने सशक्त अभिनय से यादगार बना दिया। एक नजर ऐसी ही कुछ अभिनेत्रियों पर।

'राम लखन' में मां के किरदार में राखी

इन अभिनेत्रियों ने यादगार बना दिया
फिल्मों में मां का किरदार

बड़ा पर्दा / हेमंत पाल

हम सबकी जिंदगी की कहानी में ही नहीं, फिल्मी पर्दे पर भी कथानक का अहम हिस्सा रही हैं। किरदार, अंदाज चाहे जो भी रहा हो, कई ऑनस्क्रीन मांओं ने हमेशा दर्शकों के मन पर अपनी अलग छाप छोड़ी। कई फिल्में तो ऐसी हैं, जिनमें मां के किरदारों ने ही सबसे ज्यादा प्रभावित किया। कुछ अभिनेत्रियों ने मां के किरदार को इतनी बखूबी निभाया कि फिल्मों में मां की बात हो, तो जेहन में इनकी ही छवि उभरती है।

नरगिस की पहचान से जुड़ गई-मदर इंडिया: जब भी फिल्मों में मां की सशक्त भूमिका का जिक्र आता है, 'मदर इंडिया' में नरगिस द्वारा निभाई गई भूमिका को जरूर याद किया जाता है। 1957 में आई इस फिल्म में नरगिस ने राधा का किरदार निभाया, जो एक मां है और अपने दोनों बेटों को बेहतर जीवन देने के लिए संघर्ष करती है। फिल्म में नरगिस ने सुनील दत्त और राजेंद्र कुमार की मां की भूमिका को जीवंत किया था। उन्होंने ऐसी मां का किरदार निभाया, जिसके हाथ अपने बेटे के अन्याय करने पर उसकी जान लेने से नहीं हिचकते।

अचला सचदेव

दीना पाठक

अमिताभ बच्चन की ऑनस्क्रीन मां निरुपा राय: निरुपा राय का नाम सुनते ही जेहन में उनके द्वारा निभाई गई मां की कितनी ही भूमिकाएं एक साथ उभरती हैं। उन्हें अमिताभ बच्चन की ऑनस्क्रीन मां भी कहा जाता है, क्योंकि उन्होंने कई फिल्मों में अमिताभ की मां की भूमिका निभाई। 'दीवार' में निरुपा रॉय ने एक ऐसी मां का किरदार निभाया, जो अपने बेटों के लिए सब कुछ करती है। उन्होंने 'मुकद्दर का सिकंदर', 'अमर अकबर एंथनी', 'सुहाग' जैसी फिल्मों में भी अमिताभ की मां की भूमिका निभाई।

मां की भूमिका में खूब पसंद की गईं नूतन: अपने दौर की बेहतरीन अभिनेत्री और पूर्व मिस इंडिया नूतन ने भी कई फिल्मों में मां की भूमिका निभाई। इनमें 'मेरी जंग', 'नाम', 'मुजरिम', 'युद्ध और 'कर्मा' जैसी फिल्में उल्लेखनीय हैं।

राखी ने भी निभाई मां की यादगार भूमिकाएं: यदि निरुपा राय को अमिताभ की मां कहा जाता है, तो राखी अनिल कपूर की फिल्मी मां कही जाती हैं। 'राम लखन', 'प्रतिकार', 'जीवन एक संघर्ष' में राखी, अनिल कपूर की मां बनी थीं। इन फिल्मों के अलावा 'खलनायक', 'सोल्जर', 'बॉर्डर', 'करण-अर्जुन', 'बाजीगर', 'अनाड़ी' जैसी फिल्मों में राखी ने मां का किरदार निभाया। राखी ने अधिकतर दृढ़, अपने विश्वास और संकल्प पर अडिग मां की भूमिकाएं निभाईं। 'राम लखन', 'करण-अर्जुन' जैसी फिल्मों में उनके निभाए मां के किरदार को लोग आज भी याद करते हैं।

नब्बे के दशक की प्यारी मां रीमा लागू: नब्बे के दशक में रीमा लागू ने नए दौर की पारिवारिक और प्यारी मां की भूमिका को पर्दे पर जीवंत किया।

रीमा लागू

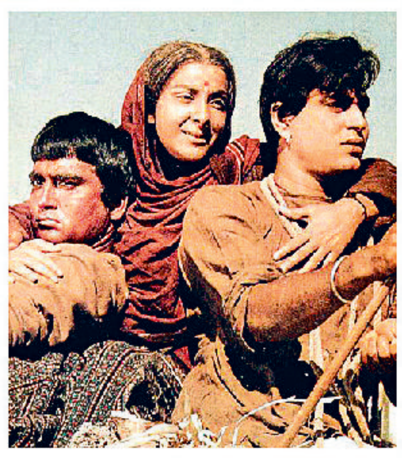

'मदर इंडिया' में सशक्त मां की भूमिका में नरगिस

रीमा लागू को सलमान खान की फिल्मी मां के रूप में पहचान मिली है। इन्होंने 'मैने प्यार किया', 'साजन', 'हम आपके हैं कौन', 'हम साथ-साथ हैं', 'जुड़वां' और 'पत्थर के फूल' जैसी सुपरहिट फिल्मों में सलमान खान की मां की प्रभावी और यादगार भूमिकाएं निभाईं। उनकी मां की भूमिका वाली अन्य फिल्मों में 'कयामत से कयामत तक', 'आशिकी', 'कुछ-कुछ होता है' आदि शामिल हैं। 'वास्तव' में उनके द्वारा निभाया गया संजय दत्त की मां का रोल बहुत ही सशक्त एवं प्रभावशाली था।

हजार चौरासी की मां जया बच्चन: जया बच्चन के फिल्मी करियर में उनके द्वारा निभाए गए मां के किरदार भी उल्लेखनीय हैं। 'हजार चौरासी की मां' में उनके द्वारा निभाई गई एक सशक्त मां की भूमिका का जिक्र आज भी किया जाता है। 'कभी खुशी कभी गम' और 'कल हो ना हो' में भी जया बच्चन द्वारा निभाए गए मां के किरदार को खूब सराहना मिली।

जया बच्चन

'दीवार' में निरुपा राय ने निभाई मां की यादगार भूमिका

इन्होंने भी निभाई मां की यादगार भूमिकाएं: इनके अलावा हिंदी फिल्मों में ऐसी कई बेहतरीन अभिनेत्रियां हैं, जिन्होंने सिल्वर स्क्रीन पर मां की भूमिका को पूरी जीवंतता के साथ निभाया। अचला सचदेव को उनके द्वारा निभाए गए मां और दादी के किरदार ने खास पहचान दिलाई। दुर्गा खोटे ने ऋषि कपूर की फिल्म 'कर्ज' में मां का किरादर निभाकर उसे यादगार बना दिया। 'बागबान' में हेमा मालिनी द्वारा निभाए गए मां के किरदार को कौन भूल सकता है? 'दिल वाले दुल्हनिया ले जाएंगे', 'कुछ कुछ होता है', 'कभी खुशी कभी गम', 'कहो ना प्यार है' जैसी कई फिल्मों में फरीदा जलाल द्वरा निभाई गई मां की भूमिका को दर्शकों का खूब प्यार मिला। फिल्म 'दोस्ताना' की कूल मदर हो या 'देवदास' की कठोर मां या फिर 'हम तुम' की फ्रेंडली मॉम, किरण खेर ने हर तरह की मां की भूमिका को जीवंत किया। लीला चिटनिस, दीना पाठक, वहीदा रहमान, आशा पारेख, रेखा, रति अग्निहोत्री ऐसी कितनी ही अभिनेत्रियां हैं, जिन्होंने समय-समय पर फिल्मों में मां की भूमिका निभाईं और उनके द्वारा निभाए गए मां के किरदार को दर्शकों और फिल्म समीक्षकों की खूब सराहना मिली।*